CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-319
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 23 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

मंत्री शिवराज ने टूटी सीट पर बैठकर किया हवाई सफर

कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल से दिल्ली पहुंचे थे केंद्रीय मंत्री, एयर इंडिया पर निकाला गुस्सा

भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ आज एक ऐसी घटना घटी, जिससे आम आदमी रोज ही गुजरता है। दरअसल मंत्री शिवराज सिंह को एयर इंडिया में टूटी और धंसी हुई सीट अलॉट हो गई। शिवराज जब सीट पर बैठे तो उनको तकलीफ का समाना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने एयर इंडिया पर जमकर गुस्सा निकाला। शिवराज सिंह ने कहा कि एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स को पहले से जानकारी थी कि सीट खराब है, इसके बावजूद टिकट बेचा गया। शिवराज सिंह को एक कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल से दिल्ली जाना था। इसके लिए उन्होंने एयर इंडिया की फ्लाइट में सीट बुकिंग कराई। इस दौरान उनको जो सीट अलॉट हुई वो टूटी हुई थी। शिवराज सिंह ने इसी टूटी सीट पर भोपाल से दिल्ली का सफर पूरा किया और एयर इंडिया पर सुविधाओं को लेकर जमकर नाराज हुए। उन्होंने इस घटना को अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर सबके सामने रखा। केंद्रीय मंत्री ने लिखा कि, आज मुझे भोपाल से दिल्ली आना था, पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के माननीय प्रतिनिधियों से चर्चा करनी है। मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक अक436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8उ आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना तकलीफदायक था।

अपने लिए दूसरों को क्यों दूं तकलीफ केंद्रीय मंत्री ने लिखा कि, जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थी तो आवंटित क्यों की उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि ये सीट ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए। ऐसी एक नहीं और भी सीटें हैं। मंत्री शिवराज ने लिखा कि, सहयात्रियों ने मुझे बहुत आग्रह किया कि मैं उनसे सीट बदल कर अच्छी सीट पर बैठ जाऊं, लेकिन मैं अपने लिए किसी और मित्र को तकलीफ क्यों दूं, मैंने फैसला किया कि मैं इसी सीट पर बैठकर अपनी यात्रा पूरी करूंगा।

एयर इंडिया की सेवा बेहतर होने का था भ्रम शिवराज ने लिखा कि, मेरी धारणा थी कि टाटा प्रबंधन के हाथ में लेने के बाद एयर इंडिया की सेवा बेहतर हुई होगी, लेकिन ये मेरा भ्रम निकला। मुझे बैठने में कष्ट की चिंता नहीं है, लेकिन यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद उन्हें खराब और कष्टदायक सीट पर बैठाना अनैतिक है। क्या ये यात्रियों के साथ धोखा नहीं है

एयर इंडिया जताया खेद इस पूरे मामले के बाद एयर इंडिया की ओर से भी प्रतिक्रिया आई। एयर इंडिया ने शिवराज सिंह से माफी मांगी। कंपनी ने ट्वीट करते हुए कहा कि, आपको हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। कृपया आश्वस्त रहें कि हम भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को रोकने के लिए इस मामले पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहे हैं। हम आपसे बात करने का अवसर पाकर प्रसन्न होंगे।

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में बड़ा टनल हादसा, 8 मजदूर फंसे

नई दिल्ली। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में एक बड़ा टनल हादसा हुआ है। यहां श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर के निर्माणाधीन हिस्से में एक टनल का हिस्सा ढह गया, जिसके बाद 8 मजदूर मलबे में फंस गए हैं। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है, और फिलहाल यह पुष्टि की जा रही है कि फंसे मजदूरों की संख्या छह है या फिर आठ। जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार को हुआ था, जब निर्माण कंपनी की टीम आकलन के लिए सुरंग के अंदर गई हुई थी और इसी दौरान नहर की छत का एक हिस्सा ढह गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस घटना के बारे में बताया कि कंपनी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक 6 से 8 मजदूरों के फंसे होने की आशंका है, और मलबे में दबे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए राहत कार्य जारी है।

ब्रिटेन में बाल शोषण के खिलाफ सरकार ने बनाया कानून

लंदन। ब्रिटेन सरकार ने बाल शोषण और कमजोर वर्ग के लोगों के साथ होने वाले अपराध कोयलिंग के खिलाफ काननू बनाने का ऐलान किया है। सरकार ने दोनों अपराध के खिलाफ पांच से 10 साल तक की सजा का प्रावधान किया है। ब्रिटेन के गृह विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अपराध रोकने और पुलिसिंग को बढ़ावा दिए जाने के लिए लाए जा रहे इस विधेयक को अगले सप्ताह हाउस ऑफ कॉमन्स में रखा जाएगा। ब्रिटेन में जिन दो अपराधों के खिलाफ कानून लाया जा रहा है, उसमें पहला कोयलिंग है। यह एक ऐसी प्रथा है जिसमें अपराधी कमजोर वर्ग के लोगों के घर पर बिना उनकी अनुमति के कब्जा कर लेते हैं और उनसे जबरन गैर कानूनी गतिविधियां जैसे ड्रग्स तस्करी के काम कराते हैं। जबकि दूसरे अपराध में कुछ अपराधी बच्चों से आपराधिक गतिविधियां कराते हैं।

दुबई के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड मैच में बजा भारत का राष्ट्रगान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का चौथा मैच शनिवार को लाहौर में खेला गया। हालांकि मैच में इंग्लैड की टीम ने जीत हासिल की, लेकिन यहां हुए एक वाकये ने सभी को चौंका दिया। दरअसल, यहां के गद्दाफी स्टेडियम में अचानक भारत का राष्ट्रगान बज गया। स्टेडियम एडमिनिस्ट्रेशन ने फौरन इसमें सुधार किया। हालांकि, इस दौरान स्टेडियम मौजूद दर्शक हैरान रह गए और शोर मचाने लगे। यह पूरा वाकया तब हुआ जब टॉस के बाद ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीम अपने राष्ट्रगान के लिए मैदान में पहुंची थीं। इंग्लैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रगान बजना था, लेकिन गलती से भारत का राष्ट्रगान चला दिया। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहे हैं, उनमें 'भारत भाग्य विधाता' कुछ सेकेंड्स के लिए सुनाई दे रहा है। हालांकि, कुछ सेकेंड्स बाद ही भारतीय राष्ट्रगान को बंद कर दिया गया और दोबारा से ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रगान लगाया गया।

आरबीआई के पूर्व गर्वनर शक्तिकांत दास बने पीएम मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी

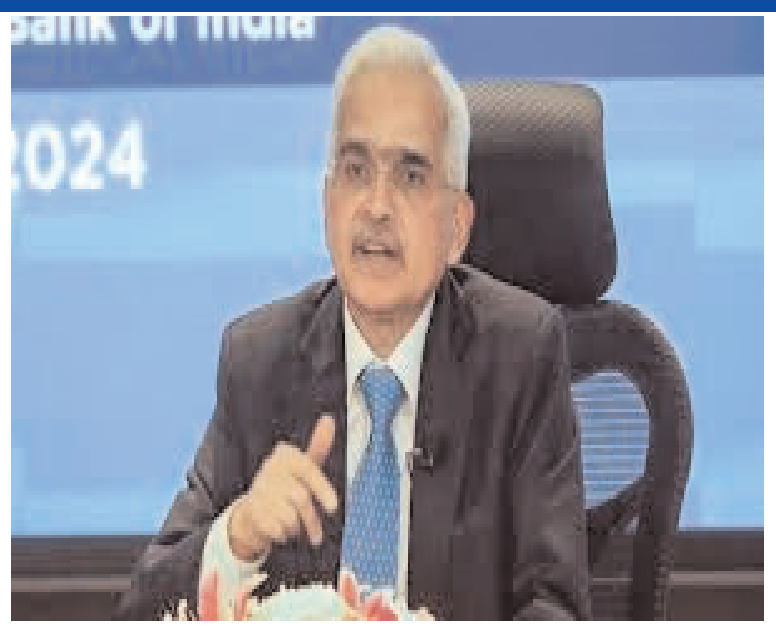

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के पूर्व गर्वनर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रिंसिपल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। शक्तिकांत दास पीएम मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी-2 के तौर प्रिसिंपल सेक्रेटरी-1 पीके मिश्रा के साथ काम करेंगे। 2018 में शक्तिकांत को रिजर्व बैंक का गर्वनर नियुक्त किया गया था और दिसंबर 2024 में तीन साल के सर्विस एक्सटेंशन के बाद रिटायर हुए थे। वहीं अब सेवानिवत्त होने के बाद दास पीएम मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी का पद पाकर नंबर वन ब्यूरोक्रेट हो गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रिंसिपल सेक्रेटरी की सैलरी और सुविधाएं सरकारी अधिकारियों के लिए निर्धारित नियमों और स्तरों के अनुसार होती हैं। आमतौर पर, एक प्रिंसिपल सेक्रेटरी को सचिव स्तर पर रखा जाता है, जिसकी मासिक सैलरी लगभग 2लाख 50 हजार मिलती है। शक्तिकांत दास 2023 और 2024 में लगातार दो बार दुनिया के टॉप सेंट्रल बैंकर चुने गए। शक्तिकांत दास को सेंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड 2023 और 2024 में अ+ ग्रेड मिला। यह अवॉर्ड अमेरिका के वॉशिंगटन ऊ.उ. में ग्लोबल फाइनेंस देती है। शक्तिकांत दास को महंगाई पर कंट्रोल, इकोनॉमिक ग्रोथ, करेंसी में स्टेबिलिटी और ब्याज दरों पर नियंत्रण के लिए यह सम्मान दिया गया।

1980 बैच के आईएएस अधिकारी हैं शक्तिकांत दास शक्तिकांत दास 1980 बैच के सिविल सेवा अधिकारी (कअर) अधिकारी हैं। वे तमिलनाडु कैडर के अधिकारी हैं। 2017 मई तक वे इकोनॉमिक अफेयर्स के सेक्रेटरी थे। वे देश के 25वें गवर्नर बने थे। नवंबर 2016 में जब नोटबंदी हुई थी, तब भी दास ही मुख्य मोर्चे पर थे।

यह भी रहा योगदान कोरोना महामारी और युद्ध के बीच इकोनॉमी को स्टेबल रखा फइक गवर्नर के तौर पर दास ने भारत और दुनिया के लिए सबसे अस्थिर दौर कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास संघर्ष जैसे संकटों में भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। कोरोना के दौरान दास के नेतृत्व में फइक ने लिक्विडिटी और एसेट क्वालिटी को बनाए रखने के लिए नए और पुराने आर्थिक नीतियों और उपायों को लागू किया।

ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में जरूरी बदलाव किया

2018 में जब दास ने कार्यभार संभाला था तब रेपो रेट 6.50% पर थी। उनके नेतृत्व में फइक ने इकोनॉमिक ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए इसे घटाकर 4ब्र पर ला दिया। बाद में महंगाई को कंट्रोल करने के लिए इसे फिर से बढ़ाकर 6.50ब्र कर दिया।

जस्टिस माहेश्वरी बोले- पब्लिक प्रोसिक्यूटर की कमी ठीक करना सरकार की जिम्मेदारी

सीएम बोले- ज्युडिशियरी के फैसलों को लागू करने में सरकार पीछे नहीं

सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

भोपाल। सरकार और ज्युडिशियरी का तालमेल पीएम नरेंद्र मोदी के शासन में साफ दिखाई दे रहा है। राम मंदिर के फैसले को लागू करने का मामला हो या कोर्ट के कोई अन्य फैसले लागू कराने का काम हो, सरकार न्यायालय के आदेश पर अमल करती रही है। मोदी शासन के पहले ऐसी स्थिति कई बार नहीं बनती थी। ज्युडिशियरी के फैसलों को लागू करने में सरकार पीछे नहीं है।

यह बात सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सरकार और ज्युडिशियरी के साहस से इस समय न्यायपूर्ण फैसले लेने और उसे लागू करने का काम किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति जेके माहेश्वरी ने कहा है कि न्याय एक दर्शन है, एक संकल्प है जो केवल कानून की किताबों में नहीं हमारी आत्मा में बसना चाहिए। यहां प्रशिक्षण लेने के लिए आए नवनियुक्त अधिकारी न्याय के लिए ट्रेनिंग का उपयोग किस तरह से करेंगे जिससे मुख्यमंत्री और चीफ जस्टिस यशस्वी हों। विक्रमादित्य का नाम न्याय प्रशासन के लिए प्रसिद्ध है और हमें न्याय के लिए काम करना होगा।

जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि सिंगरौली में 6978 केस पर एक पब्लिक प्रोसिक्यूटर है। रीवा और राजगढ़ में भी यही स्थिति है। यहां भी एक पब्लिक प्रोसिक्यूटर है। यह मिस्टेक आफ फैक्ट्स है। जिसे ठीक करना एसीएस जेएन कंसोटिया और सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोक अभियोजन अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह धर्म की रक्षा के लिए काम करे और जरूरतमंद को न्याय दिलाए। धर्मो रक्षति रक्षत: की नीति पर काम करके न्याय दिला सकते हैं। आपसी तालमेल और लीगल इश्यू में कहीं न कहीं कमी है।

आगर मालवा में जजों और लोक अभियोजन अधिकारियों का मुद्दा भी उठाया जस्टिस माहेश्वरी ने आगर मालवा में जजों और लोक अभियोजन अधिकारियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि लीगल नालेज और प्रेक्टिकल स्किल भी लोक अभियोजना अधिकारियों में होना चाहिए। 2011 में कम्प्यूटर मिल गए थे। ई कोर्ट की बात होती है, लैपटॉप सबके पास है। ई कोर्ट्स के लिए कितना उपयुक्त करना है, यह फैसला एसीएस होम, सरकार को करना है। एडवोकेट्स और पब्लिक प्रोसिक्यूटर के बैठने के लिए भी जगह की कमी उन्होंने यहां रहने के दौरान देखी है। चीफ जस्टिस और चीफ मिनिस्टर को उस तरफ ध्यान देना होगा। इनके लिए लाइब्रेरी भी होना चाहिए। इस कार्यक्रम में चीफ जस्टिस सुरेश कैत, हाईकोर्ट के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल भी मौजूद रहे।

शोले फिल्म का दिया उदाहरण सीएम ने फिल्म शोले का उदाहरण देते हुए कहा कि शोले पिक्चर में शोले कहां है यह समझने की बात है। फिल्म में ठाकुर के सीने में जो शोला है, वास्तव में ही वही शोला है। इसके बाद ठाकुर ने गब्बर के खात्मे के लिए काम शुरू किया।

क्षिप्रा नदी में पानी की कमी को लेकर नाराजगी

25 को धरना प्रदर्शन करेंगे इंदौर और देवास के सैकड़ों किसान

दोनों जिले के हिस्से का पानी उज्जैन ले जाने का लगाया आरोप

इंदौर। सूखी पड़ी शिप्रा नदी में पानी छोड़ने को लेकर इंदौर और देवास जिले के सैकड़ों किसान 25 फरवरी को प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उनकी मांग है कि हमारे हिस्से का पानी दूसरे जिलों में भेजा जा रहा है जो हमें मिलना चाहिए। इसको लेकर हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि गांव-गांव से किसानों को लाकर प्रदर्शन किया जाएगा। नदी के एक ओर इंदौर जिले के तो दूसरी ओर देवास जिले के किसान प्रदर्शन करेंगे। किसानों ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर और देवास जिले के हिस्से का शिप्रा का पानी अपने जिले उज्जैन में ले गए हैं। इससे किसान परेशान हो रहा है और वह फसल नहीं उगा पा रहा है, जबकि नर्मदा क्षिप्रा संगम इसलिए किया गया था कि किसानों के लिए पानी क्षिप्रा नदी में छोड़ा जाएगा और किसानों को फसल उगाने का मौका मिलेगा। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने आरोप लगाया कि अब किसानों के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। इसी को लेकर 25 फरवरी को शिप्रा नदी के किनारे पर इंदौर एवं देवास जिले की हाटपीपल्या एवं सांवेर विधानसभा क्षेत्र के किसान नर्मदा शिप्रा लिंक को चालू करने के लिए एवं उज्जैनी से उज्जैन तक नर्मदा की जो पाइप लाइन सांवेर विधानसभा क्षेत्र के गांव से गई है, उससे क्षेत्र के किसानों एवं तालाबों को पानी उपलब्ध कराने के लिए धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है।

आंदोलन से सरकार को जगाते रहने की ली शपथ इस कड़ी में इंदौर जिले के सेमलियाचाऊ में शिप्रा नदी के किनारे पर किसान सुबह 10 बजे से 12 बजे तक प्रदर्शन करेंगे एवं इंदौर जिले के इसके बाद में देवास जिले की सीमा में नदी के उसे किनारे पर 12 बजे से लगाकर भरी दोपहर 2 बजे तक ग्राम देखना खेड़ी में देवास जिले के किसान प्रदर्शन करेंगे एवं नर्मदा क्षिप्रा लिंक परियोजना को चालू करने के साथ हाटपीपल्या विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में नर्मदा का पानी पहुंचाने के संबंध में अपनी बात रखेंगे। किसानों ने सूखी पड़ी नदी में बैठकर शपथ ली है कि जब तक नर्मदा-शिप्रा परियोजना का पानी हमारे जिलों में नहीं आता तब तक आंदोलनों के माध्यम से हम सरकार को जगाने का काम करेंगे।

आसपास के गांवों से किसानों को लाने की अपील किसान नेताओं ने कहा की मध्य प्रदेश के मुखिया देवास एवं इंदौर जिले के हिस्से का पानी अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए अपने गृह क्षेत्र उज्जैन पाइप लाइन के जरिए ले जा रहे हैं और किसानों के हिस्से का पानी उद्योगों को बेचा जा रहा है। किसान नेताओं ने कहा कि देवास एवं इंदौर जिले के भारतीय जनता पार्टी के सांसद और विधायकों के साथ मंत्री भी कुछ नहीं बोल रहे हैं। किसानों का कहना है कि सांवेर से ही जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट है, बावजूद इसके क्षेत्र के किसान पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। 25 फरवरी को होने वाले धरना प्रदर्शन में किसानों ने अपने आसपास के गांवों के किसानों को भी लाने की अपील की है, ताकि उनके हिस्से का पानी शिप्रा नदी में छोड़ा जा सके और वे फसल ले सकें।

स्प्रे और क्रीम से महिला को बेहोश कर उड़ाए जेवर

विजय नगर थाना क्षेत्र में महिला ने की वारदात

इंदौर। इंदौर के विजय नगर थाना क्षेत्र में एक युवती ने एक महिला को स्प्रे और क्रीम लगाकर बेहोश किया और उसके जेवर लेकर भाग निकली। घटना की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक सोलंकी नगर में रहने वाली लक्ष्मी पाल (26) की शिकायत पर अज्ञात युवती के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शुक्रवार को युवती महिला के घर पहुंची और उससे पानी मांगा। महिला पानी लेकर आई और युवती को दिया। युवती ने पानी पीने के दौरान अपने पास से स्प्रे निकाला और महिला के चेहरे पर स्प्रे कर दिया जिससे महिला बेहोश हो गई। इसके बाद उसने कोई क्रीम निकाली और वह भी उसके चेहरे पर लगा दी। जिससे महिला पूरी तरह बेहोश हो गई।

होश में आई तो नहीं थे टॉप्स और मंगलसूत्र महिला के बेहोश होने पर युवती ने महिला के कान से सोने के टॉप्स, गले का मंगलसूत्र उड़ा लिया और भाग निकली। महिला के होश में आने पर घटना की जानकारी सामने आई। जिसके बाद महिला विजय नगर थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर विजय नगर थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। महिला पर किस तरह का स्प्रे और क्रीम लगाया गया। इसकी जांच भी की जा रही है। इसके साथ ही घटना में कितनी सच्चाई है, इसका भी पता लगाया जा रहा है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है।

लव जेहाद मामले में युवक की पिटाई कर किया पुलिस के हवाले

पंचमूर्ति नगर का मामला - कपड़े बेचने के बहाने महिलाओं और युवतियों से बढ़ाता था नजदीकी

इंदौर। पंचमूर्ति नगर में बजरंगियों ने लव जेहाद के आरोप में एक युवक को पकड़ा। इंदौर के सदर बाजार क्षेत्र में रहने वाला युवक इकबाल कपड़े बेचने के बहाने बस्ती में आता था और महिला व युवतियों से नजदीकी बढ़ाता था। उन्हें सस्ते दामों पर कपड़े का लालच भी देता था। बस्ती की एक महिला के यहां लगातार आने लगा था। अन्य बस्तीवासियों ने इसकी जानकारी बजरंग दल के पदाधिकारियों को दी। शनिवार को जब वह बस्ती में पहुंचा तो बजरंग दल के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए और उसे रंगे हाथों पकड़ा। बजरंगियों ने उसकी धुनाई की और उसका मोबाइल नंबर भी जांचा। हिन्दू नाम से उसने कई महिला व युवतियों को वाट्सअप पर मैसेज भेजे थे। पकड़े जाने पर वह लव जिहाद के आरोपों को नकारता रहा, लेकिन बजरंगियों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

कई बस्तियों ने बनाए हैं निगरानी दल बजरंग दल पदाधिकारियों का कहना है कि आरोपी सदरबाजार क्षेत्र में रहता है, लेकिन व्यापार के लिए हिन्दू बस्तियों में उस वक्त आता था,जब दोपहर में पुरुष काम के सिलसिले में बाहर रहते थे। वह धीरे-धीरे महिलाओं से दोस्ती बढ़ाता था और उन्हें लव जिहाद में फंसाता था। उन्होंने बताया कि हमने कई बस्तियों में निगरानी दल बनाए है जो इस तरह की गतिविधियों पर नजर रखते है। इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों को पुलिस के हवाले करते हैं।

रिटायर्ड टीआई की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

बेटे से घूमने जाने का कहकर निकले, मिली मौत की खबर

इंदौर। इंदौर में पूर्व टीआई की मौत हो गई। हार्ट अटैक से मौत की संभावना जताई जा रही है। वे अपने बेटे से यह कहकर घर से बाहर निकले थे कि, वह घूमने जा रहे हैं। बाद में बेटे के पास फोन आया, जिससे पता चला कि वे अस्पताल में भर्ती हैं। जब बेटा अस्पताल पहुंचा, तो उसे जानकारी मिली कि उनकी मृत्यु हो चुकी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाया।

खजराना पुलिस के मुताबिक, मृतक विजय बहादुर मिश्रा (65 वर्ष), निवासी पुलिस टाउनशिप, इंदौर का निधन अज्ञात कारणों से हुआ है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। उन्होंने अपने बेटे अमित से कहा था कि वह बाहर घूमने जा रहे हैं। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार के लोग चिंतित हो गए। उन्होंने कई बार उनके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। काफी समय बाद किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन उठाया और बताया कि विजय बहादुर मिश्रा को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर है। बेटा तुरंत अस्पताल पहुंचा, जहां पूछताछ करने पर उसे पता चला कि उसके पिता का निधन हो चुका है।

2022 में रिटायर्ड हुए थे विजय बहादुर खजराना थाने के प्रधान आरक्षक हरिओम द्विवेदी पुलिस ने बताया कि, विजय बहादुर मिश्रा रिटायर्ड टीआई थे। 31 जनवरी 2022 में रिटायर्ड हो चुके थे। मृत्यु का फिलहाल कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। वहीं, संभावना है कि हार्ट अटैक के कारण उनकी मृत्यु हुई है। परिवार से जानकारी मिली है कि उन्हें 2024 में भी अटैक आ चुका था। इधर, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रफ्तार का कहर, डिवाइडर के हुए टुकड़े

इंदौर। खाली सड़क देख लोग रफ्तार पर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं। इसका उदाहरण रीगल ब्रिज पर शुक्रवार देर रात देखने में आया। यहां एक अंध गति से दौड़ रही कार डिवाइडर से जा टकराई। रफ्तार इतनी तेज थी की डिवाइडर के टुकड़े हो गए।

शहर की सुंदरता में दाग लगा रही यह मनमानी....

इंदौर। नगर निगम शहर को सुंदर बनाने के प्रयास कर रहा है लेकिन कई लोग इस मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। संजय सेतु रोड बीच लोहे की बाउंड्री वॉल पर रहवासी कपड़े सुखा रहे हैं। यहं से निगम के जिम्मेदार भी गुजरते हैं, लेकिन उनका ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है।

समिट का जायका बढ़ाएंगे इंदौर की रबड़ी और मालपुए

मेहमानों को मिलेगा इंदौर के सराफा चौपाटी के रबड़ी, मालपुए, गराडू और पेटिस का स्वाद

इंदौर। भोपाल में 24 व 25 फरवरी को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में आने वाले मेहमानों के प्रदेश के अलग-अलग शहरों के प्रसिद्ध व्यंजनों का स्वाद मिल सके, इसको लेकर इंतजाम किए जा रहे हैं। मेहमानों को इंदौर के सराफा चौपाटी के रबड़ी, मालपुए, गराडू और पेटिस का स्वाद मिलेगा। इसके अलावा इस आयोजन में सैलाना के रायल हाउस की मोती के दाने की डिश व भोपाल के रायल किचन ऑफ नवाब का पनीर कोरमा भी परोसा जाएगा।

समिट में एक विशेष फूड जोन भी तैयार किया जा रहा है। इसमें इंदौर की सराफा चौपाटी की तर्ज पर ह्यमिनी सराफाह्न तैयार किया जाएगा। इसमें इंदौर की सराफा चौपाटी में 60 से 65 साल से व्यंजनों की दुकान लगाने वाले कुछ आउटलेट के प्रतिनिधि अपने स्टाल लगाएंगे। इस चौपाटी में व्यंजनों की दुकान लगाने वाले राम गुप्ता, नटवर नेमा, भावेश सोमानी व सुशांत कोहली कुछ डिश इंदौर से तैयार कर भोपाल लेकर जाएंगे। वहीं कुछ लोग अपने कर्मचारियों के साथ मौके पर ही व्यंजन तैयार करेंगे। इनमें रबड़ी, मालपुआ, गुलाब जामुन, घेवर, फालूदा, कुल्फी, जामुन शाट्स, माकटेल, कोल्ड काफी, गराडू व कोकोनट क्रश, मसाला डोसा और डोसे की अन्य वैरायटी, भुट्टे का किस, दही बड़ा, गराडू की चाट, सराफा के खोपरा पेटिस शामिल होंगे।

मेहमानों को परोसे जाएंगे ये खास व्यंजन बुंदेलखंड के दाल-बाफले, रायल किचन आफ नवाब, भोपाल का पनीर कोरमा,

इंदौर का सब्ज पुलाव, बफुरी (क्रिस्पी फ्राइड केक), घुइया (अर्बी) की सब्जी, नर्मदापुरम की मावाबाटी, मुरैना की गजक, रायल हाउस ऑफ सैलाना के मोती के दाने।

नहीं होगा सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) स्थल पूरी तरह से प्लास्टिक फ्री जोन बनाया जा रहा है। यहां सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग नहीं होगा। मेहमानों के लिए पानी कांच की बोतल या फिर कागज के गिलास में उपलब्ध करवाया जाएगा। जगह-जगह पानी की केन (कैंपर) रखे जाएंगे।

मध्य प्रदेश की सांस्कृति विशेषताएं दिखेंगी पानी पीने के लिए कागज के कप उपयोग में लाए जाएंगे। बड़े-बड़े टीवी स्क्रीन में मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक, प्राकृतिक और भौगोलिक विशेषताएं दिखाई जाएंगी। जीआईएस में डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर की झलक देखने को मिलेगी।

खाते के मनी लॉण्ड्रिंग में इस्तेमाल का डर दिखाकर डिजिटल अरेस्ट का प्रयास

जालसाजों ने की युवती को शिकार बनाने की कोशिश, पुलिस को देख साइबर फॉड ने काटा कॉल

भोपाल। भोपाल के कोलार में रहने वाली युवती को डिजिटल अरेस्ट करने की कोशिश की गई। साइबर जालसालों ने कॉल कर उसे बताया कि आपके अकांउट का इस्तेमाल मनी लान्ड्रिंग में किया जा रहा है। आपके आधार नंबर का इस्तेमाल एक कोरियर भेजने के लिए किया गया, जिसे दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया। युवती ने जब दिल्ली में उनका कोई अकाउंट होने और किसी भी पार्सल की जानकारी होने से इनकार किया तो उसे जेल भेजने की धमकी देने लगे। वीडियो कॉल पर उसे फर्जी साइबर थाना दिखाया और ऑनलाइन निगरानी का दबाव बनाया। तब पीड़िता ने पिता को जानकारी दी। पिता ने पुलिस को बुलाया तो साइबर ठग कॉल डिस्कनेक्ट कर भाग गए। टीआई संजय सोनी ने बताया कि प्रिया सक्सेना (28) ने एमबीए किया है। एमपी नगर की एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करती हैं। उनके पिता गोपाल सक्सेना पुलिस विभाग के रिटायर्ड प्रधान आरक्षक हैं। प्रिया परिवार के साथ अवंतिका अपार्टमेंट कोलार में रहती हैं। शनिवार दोपहर 2 बजे उनके पिता ने कॉल कर थाने में जानकारी दी कि अज्ञात नंबरों से कॉल कर उनकी बेटी को डिजिटल अरेस्ट किए जाने का दबाव बनाया जा रहा है।

साइबर क्राइम दिल्ली पुलिस का बोर्ड भी लगा रखा था युवती के नाम से फर्जी अकाउंट खोलकर मनी लॉन्ड्रिंग किए जाने और ड्रग तस्करी किए जाने की बात कही जा रही है। मदद के नाम पर आरोपी उसे ऑनलाइन निगरानी में रहने का दबाव बना रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। सामने वर्दी में खड़ी असली पुलिस को देखने के बाद नकली पुलिस के जवानों ने कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। कोलार पुलिस मामले की जांच कर रही है। कॉल करने वाले नंबर का आईपी एड्रेस ट्रेस किया जा रहा है। जिससे आरोपियों की गिरफ्तारी की जा सके। आरोपियों ने लड़की को असली पुलिस होने का भरोसा दिलाने वर्दी में एक युवक को अपना अधिकारी बताकर बैठाया था। पीछे साइबर क्राइम दिल्ली पुलिस का बोर्ड भी लगा रखा था।

वीडियो कॉल कर दस्तावेज दिखाए युवती को भरोसे में लेने के लिए आरोपियों ने दिल्ली की कनॉट पैलेस की एचडीएफसी बैंक की ब्रांच में उनका खाता होने की बात कही। इसी के साथ कुछ दस्तावेज वीडियो कॉल पर दिखाए, जिससे भरोसा हो जाए कि उनके नाम का फर्जी अकाउंट चल रहा है। आरोपियों ने सुबह 12 बजे पहले वाइस कॉल किया था। जब लड़की ने मामले से किसी प्रकार का लेना देना नहीं होने की बात कही तो उसे वीडियो कॉल कर तमाम दस्तावेज दिखाए गए थे। बाद में अधिकारियों से बात कराने का झांसा दिया, एक युवक से बात कराई। उस युवक ने युवती को इनोसेंट कहकर मदद का आश्वासन दिया, लेकिन जांच में सहयोग की बात कही। जांच में सहयोग के नाम पर डिजीटल हिरासत में रहने की शर्त रखी, तब लड़की को यकीन हो गया कि आरोपी उसके साथ फ्राड करना चाहते हैं।

मध्य प्रदेश में आज भी बरकार रहेगी ठंडक, कल से बदलेगा मौसम

भोपाल। उत्तर भारत के आसपास बना पश्चिमी विक्षोभ समाप्त हो चुका है। वर्तमान में मध्य प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाली कोई मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक हवाओं का रुख पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी बना हुआ है। इस वजह से अभी रविवार को भी रात में हल्की ठंडक बनी रहने के आसार हैं। उसके बाद सोमवार से नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से एक बार फिर तापमान बढ़ने लगेगा। उधर शुक्रवार को सबसे कम नौ डिग्री सेल्सियस तापमान हिल स्टेशन पचमढ़ी में दर्ज किया गया। दिन का सबसे अधिक 34 डिग्री सेल्सियस तापमान मंडला में रिकार्ड हुआ।

किडनी देकर मां ने बचाई बेटे की जान

एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 6 घंटे में किया सफल किडनी ट्रांसप्लांट

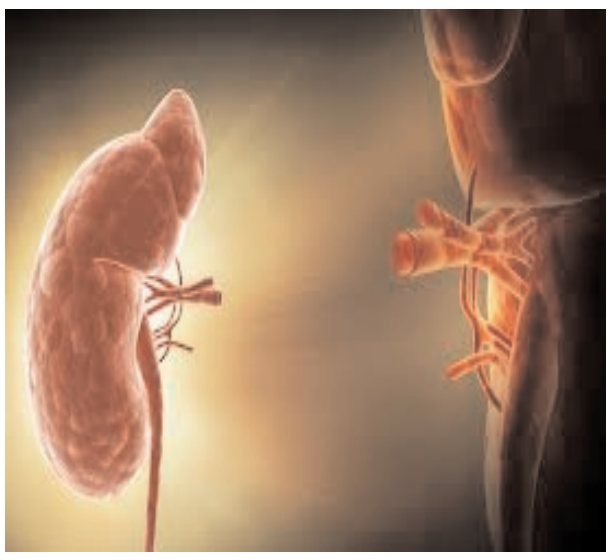

भोपाल। भोपाल के एम्स में 52 वर्षीय मां ने अपने 32 साल के बेटे को अपनी किडनी देकर उसके जान की रक्षा की है। एम्स के चिकित्सकों द्वारा सफल किडनी प्रत्यारोपण किया गया है। यह किडनी ट्रांसप्लांट रायसेन जिले के उदयपुरा निवासी 32 वर्षीय व्यक्ति पर किया गया, जिसे उसकी मां ने अपनी किडनी दान की। एम्स के चिकित्सकों ने बताया कि डोनर की नेफ्रेक्टॉमी (किडनी निकालने की प्रक्रिया) एक अत्याधुनिक न्यूनतम इनवेसिव लैप्रोस्कोपिक तकनीक के माध्यम से की गई। इससे डोनर को कम दर्द हुआ और उसकी रिकवरी तेजी से हुई। पूरी सर्जरी छह घंटे तक चली, और प्रत्यारोपण के बाद मरीज की स्थिति स्थिर है एवं उसकी किडनी सामान्य रूप से कार्य कर रही है। यह उपलब्धि प्रो.अजय सिंह के नेतृत्व में एम्स भोपाल के एक मजबूत ट्रांसप्लांट विकसित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

प्रत्यारोपण एक जीवनरक्षक प्रक्रिया इस प्रत्यारोपण प्रक्रिया को विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक कुशल टीम द्वारा पूरा किया गया। नेफ्रोलॉजी विभाग से डॉ. महेंद्र अटलानी ने मरीज की सर्जरी से पहले और बाद की देखभाल का प्रबंधन किया, जबकि सर्जिकल टीम में डॉ. देवाशीष कौशल, डॉ. माधवन, डॉ. केतन मेहरा और डॉ. निकिता श्रीवास्तव (यूरोलॉजी विभाग से) शामिल थे। एनेस्थीसिया टीम से डॉ. वैशाली वेंडेसकर, डॉ. शिखा जैन और डॉ. हरीश शामिल थे, जिन्होंने सर्जरी को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्देशक डॉ अजय सिंह ने कहा है कि यह सफल प्रत्यारोपण हमारे चिकित्सा दल की विशेषज्ञता और समर्पण का प्रमाण है। अंग प्रत्यारोपण एक जीवनरक्षक प्रक्रिया है, और हम एम्स भोपाल में मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य अंगदान को बढ़ावा देना भी है, जिससे अनगिनत जिंदगियों को बचाया जा सके।

पन्ना में मिले सात प्रजातियों के गिद्ध, हिमालयन वल्चर के साथ देखी गई दो अन्य प्रजाति

भोपाल। पन्ना टाइगर रिजर्व बाघों का ही नहीं गिद्धों का भी घर है। यहां के जंगल, पहाड़ आसमान में ऊंची उड़ान भरने वाले गिद्धों को भी खूब भाते हैं। गुरुवार को उत्तर वन मंडल के डीएफओ गर्वित गंगवांग ने बताया कि पन्ना टाइगर रिजर्व सहित उत्तर एवं दक्षिण वन मंडल में हुई गिद्धों की गणना में सात प्रकार की प्रजाति के गिद्ध पाए गए। ठंड का मौसम समाप्त होने पर मार्च महीने में हिमालयन वल्चर चले जाते हैं। डीएफओ गंगवांग बताते हैं कि 2 अन्य प्रजाति के भी गिद्ध यहां पाए गए हैं। सर्दियों में हिमालयन वल्चर भी यहां प्रवास करते हैं और घोंसले बनाकर प्रजनन करते हैं, लेकिन मार्च में लौट जाते हैं। उत्तर एवं दक्षिण वन मंडल में भी गिद्धों की दो अन्य प्रजातियां पाई गई हैं। डीएफओ गर्वित गंगवांग के अनुसार, पन्ना की प्राकृतिक स्थिति गिद्ध संरक्षण के लिए अनुकूल है।

कजलीखेड़ा में प्राइवेट कॉलेज के पास टूर से लौटे टैक्सी ड्राइवर ने किया आत्मदाह

बीच सड़क पर कार से डीजल निकालकर खुद को जलाकर दी जान

भोपाल। भोपाल के कजलीखेड़ा में प्राइवेट कॉलेज के पास शनिवार सुबह 5:30 बजे टैक्सी चालक ने डीजल छिड़ककर खुद को आग लगा ली। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वह टूर पर जबलपुर गया था, वहां से लौटते ही यह कदम उठाया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। खुदकुशी के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है।

मधुर जाटव (22) पुत्र रामबाबू जाटव कजलीखेड़ा कोलार में रहता था। एक प्राइवेट ट्रैवल्स की कार चलाता था। उसके पिता ने बताया कि बेटा दो दिन पहले जबलपुर गया था। सवारी छोड़ने का बोलकर निकला था। शुक्रवार रात नौ बजे पिता से उसकी कॉल पर बात हुई थी। तब उसने सामान्य बात की, किसी तरह की कोई परेशानी का जिक्र नहीं किया। पिता रामबाबू ने बताया कि सुबह 5:30 बजे ट्रैवल्स के मालिक को पुलिस ने बेटे द्वारा आग लगाकर खुदकुशी की सूचना दी। जिसके बाद ट्रैवल्स के मालिक ने मुझे कॉल कर मामले की जानकारी दी। बेटे ने खुदकुशी क्यों की इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परिजन को सफर के दौरान ही अनहोनी की आशंका मधुर की शादी आठ महीने पहले हुई थी। तब वह मंत्रालय के एक अधिकारी की कार चलाता था। पत्नी से उसकी अच्छी बनती थी, परिजनों ने किसी तरह के पारिवारिक विवाद की जानकारी पुलिस को नहीं दी है। रिश्तेदारों का कहना है कि सफर के दौरान ही उसके साथ कुछ गलत हुआ है, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया।

ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल जल्द होगा लॉन्च, घर बैठे मिलेंगी 24 सेवाएं

जीआईएस और एआई तकनीक से लैस होगा पोर्टल

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, नल कनेक्शन, संपत्ति कर, दुकान लाइसेंस जैसी सेवाएं घर बैठे मिल सकेंगी।

भोपाल। ई-नगरपालिका का नया पोर्टल शुरू होने वाला है। इसकी तैयारी अंतिम चरण में हैं। यह नया पोर्टल पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जाएगा। इसमें भोपाल नगर निगम भी शामिल होगा। सब कुछ ठीक रहा तो इस वर्ष यह पोर्टल पूरी तरह काम करने लगेगा। अभी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना हो या नया नल कनेक्शन लेना हो तो नागरिकों को नगर निगम कार्यालय जाना पड़ता है। इसके अलावा कई अन्य सेवाओं के लिए भी नागरिकों को निगम के कार्यालय जाना पड़ता है। नए पोर्टल से सभी सेवाएं घर बैठे ही मिलने लगेंगी।

नए पोर्टल यह होगा खास वर्तमान में ई-नगर पालिका पोर्टल पर 22 नागरिक सेवाएं और 15 माड्यूल उपलब्ध हैं। नए वर्जन ई-नगरपालिका 2.0 में 24 सेवाएं और 16 माड्यूल होंगे। इसके अलावा, इसमें जीआइएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का भी उपयोग किया जाएगा। इससे सिस्टम को और अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाया जा सकेगा। इन सेवाओं का मिलेगा लाभ नए पोर्टल पर जिन 24 सेवाओं को जोड़ा जा रहा है।

सिंघार बोले- क्या बदनाम उद्योगपति से स्वागत कराएंगे पीएम

बागेश्वर धाम में आज प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों में अहलूवालिया की मौजूदगी को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

भोपाल। भोपाल में होने वाले की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से एक दिन पहले मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैंसर अस्पताल और मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री के प्रोग्राम में शामिल होने वाले मेहमानों को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल खड़े किए हैं। दरअसल पीएम के इस प्रोग्राम में एक विवादित उद्योगपति की मौजूदगी की आशंका को लेकर सिंघार ने हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि पीएम के कार्यक्रम में पवन अहलूवालिया की संभावित मौजूदगी क्यों छतरपुर के बागेश्वर धाम में 23 फरवरी को प्रस्तावित कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखी जानी है। इस कार्यक्रम में विवादास्पद उद्योगपति पवन अहलूवालिया को शामिल किए जाने की जानकारी सामने आई है। जबकि, इस उद्योगपति के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच चल रही है। अब देखना है पीएम नरेन्द्र मोदी क्या इस बदनाम उद्योगपति से स्वागत करवाएंगे

कुछ दिन पहले ही नेता प्रतिपक्ष पहुंचे थे बागेश्वर धाम भले ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बागेश्वर धाम में हो रहे प्रोग्राम को लेकर सवाल खड़े किए हो, लेकिन बागेश्वर धाम से उनका भी नाता जुड़ा हुआ है। कुछ दिन पहले ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार छतरपुर प्रवास के दौरान बागेश्वर धाम पहुंचकर पूजा अर्चना कर वहां के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात किया था। हालांकि कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने दो दिन पहले धीरेन्द्र शास्त्री पर अशोभनीय टिप्पणी की थी लेकिन किसी नेता ने उनके बयान का समर्थन नहीं किया जबकि बीजेपी ने मुकेश नायक पर कार्रवाई करने की मांग जरूर की थी।

मप्र चिकित्सक महासंघ का आंदोलन को किया स्थगित

महासंघ के पदाधिकारियों और प्रमुख सचिव व स्वास्थ्य आयुक्त के बीच हुई बैठक के बाद बनी सहमति

भोपाल। शासकीय चिकित्सक महासंघ, मध्य प्रदेश ने चिकित्सकों के मुद्दों को लेकर चल रहे आंदोलन को आगामी सूचना तक स्थगित कर दिया है। यह निर्णय महासंघ के पदाधिकारियों और प्रमुख सचिव संदीप यादव तथा आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया।

बैठक में चिकित्सकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई और उनके समाधान के लिए समय सीमा तय की गई। डॉ राकेश मालवीय महासंघ के संयोजक ने बताया सभी पदाधिकारियों ने एकमत से आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लिया है और आगामी बैठक के निर्णयों का इंतजार कर रहे हैं। इन मुद्दों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए 7 मार्च 2025 को उच्च स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में महासंघ के मुख्य संयोजक डॉ. राकेश मालवीया, डॉ. गजेंद्र नाथ कौशल, डॉ. दिनेश मांडवे, डॉ. राहुल रोकड़े, डॉ. अशोक ठाकुर, डॉ. संजीव जयंत, डॉ. आदित्य सक्सेना, डॉ. कुलदीप गुप्ता और मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सामूहिक उपवास करने का लिया था निर्णय प्रदेशभर में सरकारी डॉक्टरों ने विरोध-प्रदर्शन के बीच गुरुवार को काली पट्टी बांधकर काम किया था। वहीं शुक्रवार को इन डॉक्टर्स ने अमानक दवाईयों का सांकेतिक दहन किया। इधर शनिवार को राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों ने सामूहिक उपवास करने का निर्णय लिया था। इस दौरान अस्पताल की ओपीडी पूरी तरह से बंद रखने और इमरजेंसी सेवाएं चालू रखने की बात कही गई थी। लेकिन उससे पहले ही बैठक में आंदोलन को आगामी सूचना तक स्थगित कर का फैसला लिया गया है।

बैठक में हुए ये प्रमुख निर्णय
डीएसीपी का लाभ- स्वास्थ्य विभाग के सभी चिकित्सकों को डायनमिक असिस्टेड कैरियर प्रोग्रेस (डीएसीपी) का लाभ देने पर सहमति बनी। इसके तहत चिकित्सकों के एसीआर (एनुअल कंफिडेंशियल रिपोर्ट) के पुनः परीक्षण की आवश्यकता के बिना सीधे ऊअउढ के आदेश जारी किए जाएंगे।

-वेतनमान में सुधार- चिकित्सा शिक्षकों को सातवें वेतनमान की त्रुटि का सुधार जल्द किए जाने पर सहमति बनी। साथ ही, जूनियर डॉक्टर्स के रूरल सर्विस बॉन्ड के वेतन में विसंगति को दूर करने और नॉन-क्लीनिकल विषयों में रफ पदों का सृजन करने पर भी सहमति हुई।

-सुरक्षा और बजट- चिकित्सकों और जूनियर डॉक्टर्स को नेशनल टास्क फोर्स की अनुशंसा के अनुसार सुरक्षा प्रदान करने और इसके लिए बजट की व्यवस्था करने पर सहमति बनी।

-संविदा चिकित्सकों का नियमीकरण- समस्त संविदा चिकित्सकों को नियमित करने और उन्हें समान अधिकार एवं भत्ते प्रदान करने पर चर्चा हुई।

-अन्य विभागों के चिकित्सकों के मुद्दे- श्रम एवं गृह विभाग के चिकित्सकों को भी अन्य चिकित्सकों की तरह मूल वेतन में एनपीए (नॉन प्रैक्टिसिंग अलाउंस) की गणना और ऊअउढ लागू करने पर सहमति बनी।

संपादकीय

गैर संक्रामक रोगों के विरुद्ध केंद्र सरकार की मुहिम

देश में अस्सी प्रतिशत मौतों के लिये जिम्मेदार गैर संक्रामक रोगों के खिलाफ केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक बड़ी मुहिम शुरू की है। इसके अंतर्गत पूरे देश में तीस साल से अधिक उम्र वाले करीब नब्बे करोड़ लोगों की शुगर, बीपी और कैंसर की जांच होगी। गत गुरुवार को शुरू हुई यह देशव्यापी मुहिम 31 मार्च तक चलेगी। हालांकि, फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता,आशा वर्कर,एएनएम आदि घर-घर इस अभियान के लिये संपर्क करेंगे, लेकिन जिन तक संपर्क न हो पाए वे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अपना डेटा राष्ट्रीय पोर्टल तक पहुंचा सकते हैं। दरअसल, वर्ष 2021 के आंकड़ों के अनुसार देश में तीस व उससे अधिक उम्र वालों की संख्या करीब 64 फीसदी है। जिन्हें इस अभियान के केंद्र में रखा गया है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि देश में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और आईसीएमआर के अनुसार देश में गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों का प्रतिशत कुल रोगों से मरने वालों में अस्सी प्रतिशत है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2012 से 2030 के बीच गैर संक्रामक रोगों से 305 लाख करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। दरअसल, स्वास्थ्य मंत्रालय की इस मुहिम का मकसद है कि गैर संक्रामक रोगों व मुंह, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की स्थिति का पता लगाया जाए। जिससे समय रहते इन रोगों के नियंत्रण के लिये नीति तैयार की जा सके। उम्मीद की जा रही है कि इस अभियान के सिरे चढ़ने के बाद स्वास्थ्य सेवा की लागत कम की जा सकेगी। इस अभियान की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी और स्क्रीनिंग, उपचार व उसके फॉलोअप के आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय के पोर्टल पर अपडेट किए जा सकेंगे। दरअसल,भारत में कैंसर व अन्य गैर संक्रामक रोगों का पता समय रहते नहीं चल पाता। जिसके कारण उपचार मिलने के बावजूद इनके नुकसान से बचा नहीं जा सकता है। निश्चित रूप से इस अभियान से लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आएगी।

दरअसल, हाल के वर्षों में खानपान व जीवन शैली में बदलाव से गैर संक्रामक रोगों की आधारभूमि तैयार हुई है। रोग का समय से पता न चल पाने के कारण जीवनभर इन रोगों का उपचार चलता रहता है। महंगी होती चिकित्सा प्रणाली के चलते तमाम परिवार गरीबी के दलदल में फंसकर रह जाते हैं। विडंबना यह है कि तंबाकू के सेवन से कैंसर के मामले बढ़े हैं। करीब 44 फीसदी पुरुष व करीब सात फीसदी महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं। वहीं पुरुषों में मोटापा 12 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी हुआ है तो महिलाओं में यह बारह फीसदी से बढ़कर बीस फीसदी हुआ है। जिसका मूल कारण शारीरिक सक्रियता में कमी भी है। जिसमें 13 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि देश में गैर संक्रामक रोगों से होने वाली मौतों में 45 फीसदी भूमिका हृदय रोगों, स्ट्रोक व उच्च रक्तचाप की है। वहीं बाइस फीसदी मौतें सांस संबंधी बीमारियों के चलते होती हैं। वहीं दूसरी ओर बारह फीसदी मौतें कैंसर से व तीन प्रतिशत मौतें मधुमेह से होती हैं। हालांकि, देश के तीस साल से अधिक उम्र के नब्बे करोड़ लोगों का आंकड़ा जुटाना कठिन कार्य है, लेकिन कोरोना काल में हमने वैक्सीनेशन अभियान के जरिये दुनिया में एक मिसाल कायम की है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि आंकड़े जुटाने की मुहिम से देश मे स्वास्थ्य के प्रति चेतना जाग्रत होगी। लोग सेहत के प्रति जागरूक होंगे। यह हकीकत है कि लोग यदि खानपान में संयम बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग-व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो कई रोगों को भगा सकते हैं। वैसे भी यदि समय रहते इन गैर संक्रामक रोगों का पता चलता है तो समय रहते इनका उपचार भी संभव है। निश्चित रूप से हम इलाज पर होने वाले बड़े खर्च को कम कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भारत के संकल्प को हकीकत बना सकते हैं। स्वस्थ भारत का संकल्प ही कालांतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकता है।

पूर्वोत्तर में बड़ा खतरा बन रहे तेजी से पिघलते ग्लेशियर

देश के पूर्वोत्तर इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का प्रकोप ज्यादा होने की खबरें तो बीते कुछ वर्षों से सामने आ रही हैं। लेकिन अब एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट ने पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। हाल में नागालैंड विश्वविद्यालय और गुवाहाटी स्थित कॉटन विश्वविद्यालय के शोधकताओं के ताजा अध्ययन ने चिंता बढ़ा दी है। अरुणाचल प्रदेश में बीते तीन दशकों के दौरान ग्लेशियर प्रति साल 16.94 वर्ग किलोमीटर की दर से पिघल रहा है और अगर यह सिलसिला जारी रहा तो ग्लेशियर के पिघलने से निकलने वाले पानी पर निर्भर रहने वाले समुदायों को भविष्य में खेती और पीने के लिए पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। छोटे ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार और ज्यादा है।

वैज्ञानिकों की एक टीम ने बीते 32 वर्षों के आंकड़ों की सहायता से अरुणाचल प्रदेश में ग्लेशियरों की संख्या और उनके घटते आकार का अध्ययन किया है। इससे पता चलता है कि वर्ष 1988 में जहां राज्य का 585 वर्ग किलोमीटर इलाका ग्लेशियर ढका था, वहीं वर्ष 2020 में यह घट कर महज 275 वर्ग किलोमीटर रह गया है। इससे साफ है कि ग्लेशियर के क्षेत्रफल में इस दौरान करीब 53 फीसदी की कमी आई है।

बीते महीने जर्नल आफ अर्थ सिस्टम साइंस में छपी इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और उसके गंभीर असर के आकलन के लिए ग्लेशियर एक बेहतर पैमाना हैं। अध्ययन टीम के सदस्य और गुवाहाटी स्थिति कॉटन विश्वविद्यालय के पर्यावरण जीव विज्ञान और वन्य जीव विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नबोजित हजारिका कहते हैं कि यह अध्ययन इस बात का सबूत है कि पूर्वी हिमालय में ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर कितनी तेजी से पिघल रहे हैं।

इस टीम ने अपने अध्ययन के दौरान तवांग, वेस्ट कामेंग, अपर सियांग और अपर दिबांग वैली इलाकों में ग्लेशियरों का अध्ययन किया। इस इलाके में ज्यादातर ग्लेशियर समुद्र की सतह से साढ़े चार हजार से 48 सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियरों के पिघलने के कारण ग्लेशियल झीलों के निर्माण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी झीलें अक्सर तबाही मचाती हैं। दो साल पहले सिक्किम में ऐसी एक झील के फटने से बड़े पैमाने पर तबाही मची थी और जान-माल का भारी नुकसान हुआ था। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 1988 में अरुणाचल प्रदेश में कुल 756 ग्लेशियर थे जो वर्ष 2020 में घट कर 646 रह गए। टीम के एक अन्य सदस्य और नागालैंड विश्वविद्यालय के डा। एल। जमीर बताते हैं कि पश्चिमी हिमालय के मुकाबले पूर्वी हिमालय की ऊंचाई कम है। यही वजह है कि इस इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का असर ज्यादा होने का अंदेशा है।

ग्लोबल वार्मिंग के असर का पता लगाने के लिए ग्लोशियरों के पिघलना एक पैमाना माना जाता है। लेकिन इससे पहले कभी पूर्वी हिमालय में इतने बड़े पैमाने पर कोई अध्ययन नहीं किया गया था। अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में शोध केंद्र कम होना इसकी प्रमुख वजह है। डॉ. हजारिका के मुताबिक कई बार ग्लेशियर पिघलने के बाद दो या उससे ज्यादा हिस्सों में बंट जाते हैं, लेकिन चिंता की बात यह नहीं बल्कि उनका क्षेत्रफल कम होना है। वह बताते हैं कि ग्लेशियरों के पिघलने का सबसे तात्कालिक खतरा यह है कि खेती और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इनके पिघलने से मिलने वाली पानी पर निर्भर समुदायों को निकट भविष्य में पानी की किल्लत से जूझना पड़ सकता है। मोटे आंकड़ों के मुताबिक करीब 1.3 अरब लोग इस पानी पर निर्भर हैं।

पूर्वोत्तर इलाके में देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल असर कुछ ज्यादा ही नजर आने लगा है। इलाके के तमाम राज्यों में बेमौसम की बरसात, भयावह बाढ़, भूस्खलन, असम चाय की पैदावार व गुणवत्ता में कमी और दुनिया के सबसे नम इलाके वाले मेघालय में पीने के पानी की कमी जैसे मामले इसका सबूत हैं। पूर्वोत्तर इलाका अपनी जैव-विविधता के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन मौसम के बदलते मिजाज की वजह से दुर्लभ किस्म की कई वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर ने इलाके में लोकप्रिय झूम खेती की परंपरा को भी खतरे में डाल दिया है। झूम यानी हर साल-दो साल जगह बदल कर ढलवां सीढ़ीदार जगह पर होने वाली खेती पूर्वोत्तर भारत में सदियों पुरानी परंपरा रही है। इलाके की भौगोलिक बसावट भी इसके लिए मुफीद रही है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन का इलाके की जैव विविधता पर असर साफ नजर आने लगा है। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले में अब जाड़े के दिनों में भी आम फलने लगे हैं। यह एक नई बात है। मौसम के बदलते मिजाज की वजह से इलाके में कई दुर्लभ वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. भूमिधर बर्मन कहते हैं कि पूर्वोत्तर में जलवायु परिवर्तन के असर के सटीक आकलन के लिए हमारे पास आंकड़ों की कमी है। दरअसल यह समस्या जितनी नजर आती है उससे कहीं ज्यादा गंभीर है। दुर्गम इलाकों से आंकड़े जुटाने का कोई ठोस इंतजाम नहीं है। ऐसे में ज्यादातर इलाकों के आकलन में अनुमानों का ही सहारा लिया जाता है। ताजा अध्ययन रिपोर्ट में रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए ग्लेशियरों के पिघलने पर लगातार निगरानी के साथ ही बेहतर जलवायु अनुकूलन रणनीति पर विचार करना और उनको लागू करना जरूरी है।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से बदलेगी तस्वीर?

बीते करीब 21 महीनों से जातीय हिंसा की आग में जलने वाले पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की तस्वीर क्या बदलेगी क्या इस हिंसा के बाद राज्य के दोनों प्रमुख समुदाय-मैतेई और कुकी के बीच लगातार चौड़ी होती खाई को पाटना संभव होगा। राज्य में भाजपा के विधायकों के बढ़ते दबाव और बगावत के बाद आखिर मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने हाल में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उनकी जगह किसी नाम पर सहमति नहीं होने की वजह से सरकार को राष्ट्रपति शासन लागू करना पड़ा। उसके बाद राज्य की जमीनी स्थिति में थोड़ा ही सही, लेकिन बदलाव नजर आ रहा है। अब यह कहना मुश्किल है कि यह बदलाव कितना स्थायी और प्रभावी होगा।

राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद उग्रवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर शुरू हुए अभियान का ही नतीजा है कि अब तक करीब सौ लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में उन हथियारों को बरामद किया गया है जो सरकारी शस्त्रागार से लूटे गए थे।

अब राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने तमाम लोगों से सात दिनो के भीतर ऐसे हथियार जमा करने का निर्देश दिया है। उसके बाद राज्य में और बड़े पैमाने पर उग्रवाद-विरोधी अभियान चलाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा है कि तय समय के भीतर ऐसे हथियार लौटाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन उसके बाद उनको गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि तीन मई, 2023 को हिंसा की शुरूआत के बाद राज्य के विभिन्न इलाकों में थानों और दूसरी जगहों से बड़ी मात्रा में सरकारी हथियार लूट लिए गए थे। शुरूआती दौर के बाद इस हिंसा की कमान मैतेई और कुकी उग्रवादी संगठनों ने थाम ली थी।

लंबे अरसे तक उग्रवाद की चपेट में रहने वाले इस राज्य में बीते कुछ वर्षों से धीरे-धीरे शांति लौट रही थी। लेकिन मई, 2023 की हिंसा ने यहां रहने वाले मैतेई और कुकी समुदाय के बीच की दरार को अचानक और चौड़ा कर दिया है। इस हिंसा की आड़ में कम से कम दो दर्जन कुकी उग्रवादी संगठन राज्य में सक्रिय हो गए। दूसरी ओर, पड़ोसी म्यांमार में ठिकाना बनाने वाले कई मैतेई संगठन भी हिंसा की इस आग में कूद पड़े।

केंद्र और राज्य सरकार की चुप्पी ने परिस्थिति और बिगाड़ दी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस हिंसा में अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 50 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित होकर राहत शिविरों में दिन काट रहे हैं। राज्य में 60 हजार से ज्यादा सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद अक्सर हिंसा भड़क उठती थी। लेकिन उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कभी किसी बड़े अभियान की जरूरत तक नहीं समझी गई। अब राष्ट्रपति शासन के बाद शुरू हुए अभियान के बाद सवाल उठने लगा है कि आखिर पहले ऐसा क्यों नही किया गया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे के साथ राष्ट्रपति शासन का फैसला क्यों किया गया?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा विधायकों की बगावत ही इसकी सबसे बड़ी वजह है। विपक्ष ने बजट अधिवेशन के दौरान बीरेन सिंह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का फैसला किया था। करीब डेढ़ दर्जन भाजपा विधायक भी इसका समर्थन करने का मन बना चुके थे। यानी शक्ति परीक्षण की स्थिति में सरकार का गिरना तय था।

पहले तो बागी विधायकों को मनाने का भरसक प्रयास किया गया। लेकिन जब बात नहीं बनी तो बीरेन सिंह को इस्तीफा देने के लिए कहा गया। विश्लेषकों की राय में अगर पार्टी में बीरेन सिंह के खिलाफ बगावत नहीं होती तो अब भी उनका इस्तीफा नहीं मांगा जाता। सदन में बहुमत पाने में बीरेन सिंह सरकार के नाकाम रहने की स्थिति में केंद्र और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की भद पिटती और दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत का उल्लास फीका पड़ जाता। तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद ही मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने को कहा गया था।

मुख्यमंत्री ने नौ फरवरी को इस्तीफा दिया था, लेकिन अगले चार दिनों तक जब उनके उत्तराधिकारी पर फैसला नहीं हो सका तो छह महीने के भीतर सदन की बैठक बुलाने की सवैंधानिक मजबूरी के कारण ही 13 फरवरी की शाम को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अगले कुछ दिनों या महीनों में राज्य में नया मुख्यमंत्री चुना जाएगा या फिर विधानसभा भंग कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएंगे?

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि विधानसभा भंग करने की संभावना बेहद क्षीण है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व फिलहाल अगले मुख्यमंत्री के लिए किसी नाम पर आम राय बनाने का प्रयास कर रहा है।

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री की कुर्सी के संभावित दावेदारों में से एक मंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने पार्टी के तमाम विधायकों के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ए। शारदा देवी से मुलाकात के बाद कहा कि अगला सीएम पार्टी अध्यक्ष ही तय करेंगी। विश्लेषकों का कहना है कि राज्य की राजनीति में अगले कुछ दिन बेहद अहम साबित हो सकते हैं। सामान्य स्थिति की बहाली के लिए पुलिस और प्रशासन में बड़े पैमाने पर फेरबदल जरूरी है। इसके साथ ही केंद्र और नए मुख्यमंत्री को सकारात्मक और ठोस पहल करनी होगी। लेकिन ऐसे कई सवालों के जवाब फिलहाल भविष्? के गर्भ में ही हैं।

देश में नहीं होगी अब जान बचाने वाली दवाओं की कमी

भारत में इसी साल पहले दो बल्क ड्रग पार्क गुजरात और आंध्रप्रदेश में शुरू होंगे। करीब पांच वर्ष से जारी प्रयासों के बाद थोक औषधियों और सक्रिय औषधि अवयवों (एपीआई) के आयात पर भारत की निर्भरता अब लगभग खत्म होगी। इसके साथ ही आम बजट में घोषित 36 जीवन रक्षक दवाओं को सरकार ने सीमा शुल्क से बाहर रखने का आदेश जारी करते हुए फार्मा कंपनियों से दवा मूल्य का संशोधन करने के लिए कहा है। केंद्रीय फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अनुसार, इस साल गुजरात के भरूच और आंध्रप्रदेश के अनकापल्ली में बल्क ड्रग पार्क चालू हो जाएंगे। इसके लिए बल्क ड्रग निर्माताओं को भूमि और अन्य सुविधाएं प्रदान की गई हैं। प्रत्येक बल्क ड्रग पार्क के लिए केंद्र की ओर से करीब एक हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए।

दरअसल बल्क ड्रग्स यानी थोक औषधियों को सक्रिय फार्मास्युटिकल अवयव (एपीआई) के रूप में जानते हैं जिनके जरिये दवाओं के फार्मूलेशन बनाने में किया जाता है। अभी तक काफी संख्या में एपीआई को बाहरी देशों से मंगाया जाता है, जिसकी वजह से दवा का उत्पादन और बाजार में उसका शुल्क अधिक हो जाता है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में बल्क ड्रग पार्क शुरू होने के बाद यह सभी एपीआई का भारत में उत्पादन होगा और यहीं से दवाएं बनाई जाएंगी। उत्पादन लागत कम होने का सबसे बड़ा लाभ मरीजों को सस्ती दवाओं के रूप में मिलेगा। विभाग के सचिव अमित अग्रवाल ने बताया कि साल 2020 में केंद्र सरकार ने तीन बल्क ड्रग पार्क बनाने की घोषणा की। इसके चलते हमें 15 राज्यों से आवेदन प्राप्त हुए जिनकी समीक्षा के बाद गुजरात, आंध्रप्रदेश के अलावा हिमाचल प्रदेश का नाम तय हुआ। तब से यहां पार्क बनाने की गतिविधियां काफी तेजी से चल रही हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि इस साल में गुजरात और आंध्रप्रदेश के रूप में भारत को पहले दो बल्क ड्रग पार्क प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि दवा उत्पादन को लेकर भारत की आत्मनिर्भरता के मामले में काफी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। पेनिसिलिन-जी और क्लैवुलैनीक एसिड जैसी अहम एंटीबायोटिक दवाओं का उत्पादन अब भारत में होने लगा है। इसी तरह टीबी संक्रमण के उपचार में इस्तेमाल रिफैम्पिसिन दवा भी फिर से भारत में बनेगी। सचिव अमित अग्रवाल ने बताया कि बायोसिमिलर औषधियों के उभरते क्षेत्र में भारत अब वैश्विक नेता के रूप में आगे बढ़ रहा है। अभी तक 98 तरह के मंजूर बायोसिमिलर का उत्पादन भारत में होने लगा है। वहीं 40 से ज्यादा अभी क्लीनिकल परीक्षण की स्थिति में है। बायोसिमिलर औषधि एक जैविक औषधि है जो पहले से स्वीकृत जैविक औषधि के समान होती है। जीवित जीवों, जैसे कोशिकाओं या सूक्ष्मजीवों से बनाए जाते हैं। इसी तरह सालाना 54 हजार से अधिक नैदानिक परीक्षण और चार लाख से अधिक एआई संबंधित कर्मचारियों की क्षमता की बदौलत दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा एआई प्रतिभा पूल वाला देश बना है।

जे.एम.एस कंपनी पर नियमों के उल्लंघन का आरोप

कर्मचारियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर जिले में जे.एम.एस कंपनी उडतान नॉर्थ उत्तर कोल माइंस परियोजना ग्राम बसखला में पिछले डेढ़ वर्षो से स्थापित की है जिसमें भू स्वामी को स्थाई नौकरी प्रदान की गई है लेकिन कंपनी द्वारा उनके साथ जे.एम.एस कंपनी कोल अधिनियम में जो भी नियम व सुविधा है उसका पालन नहीं कर रही है जो स्थानिक कर्मचारियों की मांग है कि हमको कोल इंडिया के द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करते हुए समस्त सुविधाएं प्रदान करें किसानों कहना तो यह भी है कि हमारे द्वारा जो जमीन कोल इंडिया को दी गई है उसके बदले हमको नौकरी प्रदान की गई है लेकिन वह नौकरी भी बिना

सुविधाओं वाली है हमारे हाथ से तो हमारी जमीन भी चली गई और नौकरी में इतनी कम सैलरी मिलती है कि हम उसमें अपने परिवार का गुजारा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है कर्मचारियों द्वारा दिनांक 6 2 2025 को पत्र के द्वारा शासन को एवं जे.एम.एस कंपनी को अवगत कराया की हमारी मांगे शासन के नियम अनुसार उचित है उनका पूरा करें अन्यथा हम आंदोलन करेंगे।

अनूपपुर, कोतमा पुलिस द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को कम ब्याज पर लोन देने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, फरियादिया श्यामवती सिंह पति समर सिंह उम्र 45 साल निवासी ग्राम मुडधोवा थाना कोतमा ने रिपोर्ट किया गया कि दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा गांव में आकर कम ब्याज में महिला समूह को लोन देने के नाम से आभास माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन कंपनी के व्यक्ति बताकर सभी महिलाओं से किसी से 2050,2550,3050,3550 रुपए इस प्रकार उनके लोन निकालने की राशि के आधार पर फीस के नाम से अन्य आमाडाड, मुडधोवा,बेलिया बड़ी, लतार, उरा, कुशला बहरा, बगरार, मलगा, दैखल, परासी आदि गांव की महिलाओं को दिनांक 14.2.2025 को रेस्ट हाउस रोड कोतमा में ऑफिस में बुलाकर सभी करीब 60-65- महिलाओं से पैसा लेकर शाम को सभी के खाते में लोन की राशि आ जाएगी का झांसा देकर अज्ञात दो आरोपी धोखाधड़ी कर पैसा लेकर फरार होने की रिपोर्ट पर थाना कोतमा में अज्ञात दो आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 62 /25 धारा 318 (4) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया दौरान विवेचना सभी शिकायतकर्ताओ से पूछताछ किया गया जो बताएं कि सभी महिलाओं से किसी से 2050, 2550,3050, 3550 रुपए लोन फीस के नाम से दोअज्ञात आरोपियों के द्वारा लिया गया और आभास माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन कंपनी की रसीद दिए हैं, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोतिउर रहमान के मार्गदर्शन में एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय, एसडीओपी महोदया कोतमा के निर्देशन में संदेहियो की पता तलाश हेतु एक पुलिस टीम मिर्जापुर जौनपुर उत्तर प्रदेश रवाना किया गया था , संदेही मनोज कुमार बिंद को दस्तयाब कर पूछतांछ किया गया जिन्होंने गांव-गांव जाकर महिला समूहो से संपर्क कर कम ब्याज में लोन देने का झांसा देकर कोतमा क्षेत्र के 8- 10 गांव की महिलाओं को दिनांक 14.2.2025 को रेस्ट हाउस रोड कोतमा में आभास माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन कंपनी के ऑफिस बनाकर एक ही दिन में 60-65 महिलाओं से सभी से किसी से 2050 ,2550,3050, 3550 रुपए की फर्जी आभास माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन कंपनी की रसीद बनवाकर रसीद पावती देकर ऑफिस बंद कर अपने दोस्त संजय गिरी के साथ भाग जाना बताएं मामले में धारा 338 ,336(3),340(2),3/5 बीएनएस की धारा बढ़ाई गई इस प्रकार की घटना पहले कुराव प्रयागराज, सकलडीहा जिला चंदौली उत्तर प्रदेश, एवं ब्यौहारी जिला शहडोल तथा कोतमा क्षेत्र में अपने दोस्त संजय गिरी के साथ धोखाधड़ी करना बताएं, आरोपी मनोज कुमार बिंद पिता लौधर बिना उम्र 43 साल निवासी गंगावती जिला मिर्जापुर उत्तर प्रदेश के पास से धोखाधड़ी के 1,48,500/-रुपये एवं फर्जी रसीद आभास माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन कंपनी की तथा महिलाओं से एकत्रित किए गए आधार कार्ड, बैंक खाता पासबुक की फोटोकॉपी आदि जप्त कर गिरफ्तार किया गया है तथा एक अन्य आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा, उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतमा सुंद्रेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक सुरेश अहिरवार, बृजेश कुमार पांडेय, प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी, आरक्षक सत्यभान सिंह ,मुमताज, जितेंद्र मंडलोई एवं साइबर सेल प्रधान आरक्षक राजेंद्र अहिरवार पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में उमड़ी भीड़

कटनी स्टेशन पर कड़ी चौकसी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी लोकेशन एंकर - प्रयागराज में महाकुंभ के समापन की ओर बढ़ने के बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती नजर आ रही है कटनी रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ जुटी और प्लेटफार्म पर आने वाली ट्रेनों के डिब्बों में पैर रखना तक मुश्किल है। कटनी से गुजरने वाली कई कुंभ स्पेशल ट्रेन समेत प्रयागराज जाने वाली अन्य ट्रेनों में इतनी ज्यादा भीड़ रही कि चढ़ना भी मुश्किल हो रहा है। हालांकि, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हादसे के बाद कटनी रेलवे स्टेशन पर चौकसी बहुत बढ़ा दी गई है। जीआरपी व आरपीएफ जवान के साथ सिटी पुलिस बल भी लगातार कटनी रेलवे स्टेशन पर तैनात है। कटनी रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली ट्रेन के प्रत्येक कोच के बाहर जीआरपी व आरपीएफ और सीटी पुलिस के जवान तैनात हो सभी यात्रियों को सुरक्षित ट्रेन में चढ़ने का प्रतिदिन प्रयास करते दिखाई दे रहे है। इस वजह से रेलवे स्टेशनों पर भीड़ के बावजूद अफरातफरी जैसी स्थिति नहीं हुई। कटनी रेलवे स्टेशन के प्लेट फॉर्म नंबर दो पर बैठे कई ऐसे यात्री है जो अपने छोटे छोटे बच्चों को लेकर ट्रेन में चढ़ जगह पाने के लिए दौड़ लगा रहे है। वही यह भी देखने को मिला कि कुछ यात्री तो ऐसे है जिनका एक्सप्रेस ट्रेन में रिजर्वेशन होने के वाबजूद वह ट्रेन में भीड़ अधिक होने के चलते ट्रेन के गेट नहीं खोले गए और वह ट्रेन में चढ़ नहीं पाए जिस वजह से उन्हें दूसरी ट्रेनों का इंतजार करना पड़ा रहा है।

दिग्विजय सिंह ने मनरेगा कार्य प्रारंभ रखने केंद्र सरकार को लिखा पत्र बालाघाट के जनप्रतिनिधियों की मांग पर दिग्विजय सिंह जी ने केंद्र को लिखा पत्र

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना प्रारंभ होने के साथ ही सम्पूर्ण देश मे 266 अनुमत कार्य प्रारंभ हुए थे किंतु गत वर्ष तारीख 1/7/2024 को मध्यप्रदेश शासन द्वारा पत्र जारी करते हुए 266 अनुमत कार्यो में से केवल 24 कार्यो को ही नियमानुसार अनुमति जारी हुई है जिससे सम्पूर्ण ग्राम पंचायतों में मनरेगा के कार्य प्रभावित हुए है। जिला पंचायत बालाघाट की विगत सम्पन्न हुई बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों की राष्ट्रीय स्तर पर मनरेगा से सम्बंधी इस मांग को उठाने की बात भी कही थी जिसे जिला पंचायत में विधायक प्रतिनिधि अनीस खान द्वारा सभी को आस्वासित किया गया था कि वे इस बात को पूर्व मुख्यमंत्री माननीय दिग्विजय सिंह जी (सांसद राज्यसभा) से अवगत कराएंगे फलस्वरूप मान दिग्गी राजा जी से नई दिल्ली में भेंट कर अवगत कराया गया जिस पर मान दिग्विजय सिंह जी ने मा शिवराज सिंह चौहान जी केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र लिखकर बालाघाट जिले के जनप्रतिनिधियों की बात केंद्रीय मंत्रालय तक पहुँचाई।और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अधिक से अधिक कार्य प्रारंभ करने व मजदूरों को अधिक कार्य देने की बात कही है।

दानापुर-पुणे एक्सप्रेस में हंगामा

विवाद के बाद वेंडर ने चार यात्रियों पर चाकू से किया हमला

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, मैहर से दानापुर पुणे एक्सप्रेस ट्रेन में सवार कटनी की तरफ आने वाले तीन महिलाओं समेत एक पुरुष पर कैंटिंग के वेंडर ने चाकू से हमला कर घायल कर मौके से फरार हो गया, घायल यात्रियों ने बताया कि हमलावर वेंडर से धक्का लगाने के चलते बात विवाद हो गया था जिसके बाद उनसे ट्रेन की चैन खींच चाकू से हमला कर मौके पर फरार हो गया। घायल यात्रियों ने बताया कि वे लोग मैहर से दानापुर पुणे एक्सप्रेस ट्रेन में सवार कटनी की तरफ आ रहे थे और ट्रेन में अत्यधिक भीड़ के चलते ट्रेन में मौजूद अवैध वेंडर से धक्का मुक्की के चलते बात विवाद हो गया जिसके चलते उसने ट्रेन की चैन खींच उनपर चाकू से हमला कर घायल कर दिया जिससे उनके हाथ में गंभीर चोटे आई है वही चाकू से हमला करने वाला वेंडर मौके से फरार हो गया। घायल यात्री कटनी पहुंचते ही इसकी रिपोर्ट दृहश्च थाने में कराया जहां से उन्हें दृहश्च पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचवाया जहा उनका इलाज जाती है वही दृहश्च पुलिस ने चाकू से हमला करने वाले बेदर मौजूद निवासी वेंडर के खिलाफ मामला दर्ज कर फरार हुए वेंडर को तलाश शुरू कर दी है।

खरगोन को हराकर भोपाल ने जीता राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

भोपाल के चिरंजीव रहे मैन आफ द मैच खरगोन के प्रणव को मिला मैन ऑफ द सीरीज

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे राज्य स्तरीय क्रिकेट (पुरुष) टूर्नामेंट के अंतिम दिन भोपाल की टीम ने खरगोन को हराकर ट्रॉफी जीत ली। इसके पूर्व सेमी फाइनल मैच उज्जैन और खरगोन के बीच में खेला गया जिसमें खरगोन ने विजय हासिल की थी।टूर्नामेंट के बेस्ट बैट्समैन भोपाल के गुरमिंदर सिंह रहे जिन्होंने 4 मैचों में 125 रन बनाए को और बेस्ट गेंदबाज हर्ष सेन रहे जिन्होंने 4 मैच में 6 विकेट लिए। वहीं फाइनल में मैन ऑफ द मैच का खिताब चिरंजीव को दिया गया जिन्होंने 43 रन बनाए और 2 विकेट लिए तथा मैन ऑफ द सीरीज खरगोन के खिलाड़ी प्रणव को दिया गया जिन्होंने 93 रन और 4 विकेट लिए।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि एडवोकेट दीपक श्रीवास्तव, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आलोक जैन, टूर्नामेंट प्रभारी डॉ रश्मि जेता सहित सभी वरिष्ठ प्राध्यापकों ने विजेता और उप विजेता को टूर्नामेंट कप और सभी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान की। इस दौरान टीम मैनेजर, एंपायर, स्कोरर, सहित इस टूर्नामेंट में सहयोग देने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि खिलाड़ी को अपने आपको बड़ा नहीं समझना चाहिए बल्कि बड़ा बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए वही डां रश्मि जेता ने अपने क्रिकेट के अनुभव को साझा करते हुए खिलाड़ियों को प्रेरणास्पद उद्बोधन दिया। प्राचार्य डॉ आलोक जैन ने टूर्नामेंट आयोजन समिति सहित सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया और टूर्नामेंट में पधारे सभी खिलाड़ियों और टीम मैनेजर के प्रदर्शन और सहयोग की सराहना की। उन्होंने महाविद्यालय को मिली इस टूर्नामेंट की जिम्मेदारी पर उच्च शिक्षा विभाग को भी धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भोपाल टीम के कप्तान श्रृषभ ने भी संबोधित किया और यहां की व्यवस्थाओं और सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनिल जैन और आभार डॉ एन आर सुमन ने व्यक्त किया।

शनिवार को पहले खेले गए सेमीफाइनल मैच में खरगोन ने उज्जैन पर जीत हासिल की थी, खरगोन ने पहले बल्लेबाजी कर 15 ओवर में 127 रन बनाए और उज्जैन को जीतने के लिए 128 रनों का लक्ष्य दिया जिसमें प्रणव ने 45 गेंद पर 75 और शिखर ने 17 वालों पर 28 रन बनाये। वहीं उज्जैन के पूरे खिलाड़ी 14 ओवर में 123 पर ही आउट हो गये। उज्जैन के खिलाड़ी भास्कर ने 19 गेंद पर सर्वाधिक 24 रन बनायें। जब मैच रोमांचक स्थिति में था उस समय खरगोन के खिलाड़ी ऋषि ने बाउंड्री पर एक हांथ से गेंद लपकी इससे छह रन तो बचायें ही और बल्लेबाज विशाल को पवेलियन लौटा दिया इसी कैच ने मेच का रुख पलट दिया और खरगोन विजयी हुई।

फाइनल मैच भोपाल और खरगोन के बीच खेला गया भोपाल ने पहले टास जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाये। युवराज ने 1 छक्का और 4 चौके की सहायता से 50 रन और चिरंजीव ने 5 चौके और तीन छक्के की सहायता से 17 गेंदों पर 43 रन बनाए।वहीं खरगोन लक्ष्य का पीछा करते हुए 57 रन पर ही सिमट गई।खरगौन से चिरंजीव और आयुष ने दो - दो विकेट लिए पर 132 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के समापन पर खेल समिति प्रमुख डॉ रश्मि जेता ने कहा कि तीन दिवसीय राज्य स्तरीय अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस दमोह द्वारा किया गया जिसमें भोपाल की टीम विजेता और खरगोन उप विजेता रही। मैदान पर उतरकर टीमों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा ने दर्शकों के बीच मेहनत और संघर्ष का संदेश भी दिया। हमें खुशी है कि महाविद्यालय परिवार ने प्राचार्य डॉ आलोक जैन के नेतृत्व में इस कार्य को सफलतापूर्वक संपादित किया।

गेहूँ क्रय हेतु अतिरिक्त 08 गेहूँ क्रय केन्द्र स्वीकृत

केन्द्रों पर गेहूँ क्रय संबंधी सम्पूर्ण व्यवस्थाएं हों सुनिश्चित - जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, रबी विपणन वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत किसानों से सीधे गेहूँ खरीद किये जाने हेतु 08 गेहूँ क्रय केन्द्रों को अनुमोदित किया गया है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आदेश जारी करते हुए जानकारी दी कि तहसील सहारनपुर के विकासखण्ड बलियाखेडी की कृषि उत्पादन मण्डी समिति सहारनपुर, तहसील देवबन्द के विकासखण्ड देवबन्द के बी पैक्स लि0 राजपुर, बी0 पैक्स लि0 कुर्डी, विकासखण्ड नागल के बी0 पैक्स

लि0 बचीटी, तहसील नकुड के विकासखण्ड नकुड़ के बी0 पैक्स लि0 अफगान, विकासखण्ड सरसावा के बी0 पैक्स लि0 गदरहेडी, तहसील बेहट के विकासखण्ड मुजफ्फराबाद के बी पैक्स लि0 गणेशपुर, तहसील रामपुर मनिहारान के विकासखण्ड नानौता के बी0 पैक्स लि0 मुश्कीपुर को गेहूँ क्रय केन्द्र स्वीकृत किया गया है। डीएम मनीष बंसल ने समस्त केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिये कि निर्धारित स्थान पर गेहूँ क्रय केन्द्रों को तत्काल स्थापित कर गेहूँ क्रय संबंधी सम्पूर्ण व्यवस्थाएं व कृषकों की सुख-सुविधा की व्यवस्था पूर्ण कराते हुए तत्काल गेहूँ क्रय केन्द्रों पर खरीद कार्य करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने किया कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण, परिसर को बनाएं साफ-सुथरा एवं स्वच्छ

सुरक्षा के दृष्टिगत 08 बजे तक कलेक्ट्रेट के सभी दरवाजे हों बंद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कलेक्ट्रेट परिसर एवं एनआईसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट परिसर में बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षा के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट के सभी दरवाजे रात्रि 08 बजे तक अनिवार्य रूप से बंद हो जाएं। कलेक्ट्रेट परिसर के कार्यालयों में आवश्यक सुविधाओं तथा विद्युत उपकरणों को चैक कर लिया जाए। परिसर को सौन्दर्यीकृत भी किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि कोई दीवार टूटी है तो शीघ्रता से उसकी मरम्मत की जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने एनआईसी पहुंचकर वहां चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने फर्स्ट फ्लोर पर बन रहे कार्यालय और कंप्यूटर लैब के सेटअप को देखा। एनआईसी सभागार के स्पेस को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एवं नवीनीकरण

कार्यों को गुणवत्तापरक एवं समयबद्धता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, उप जिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अर्जुन कंस्ट्रक्शन के पास खनन की सभी वैध अनुमतियां है, अवैध खनन के सभी आरोप झूठे है

सिद्धार्थ मलैया ने प्रेसवार्ता में खनन संबंधित सभी प्रपत्र किए जारी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, विगत दिवस संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम भारत खमरिया में चल रहे सड़क मरम्मत हेतु मिट्ठी खनन के कार्य को अनावश्यक दबाव बनाकर और भीड़ तंत्र का सहारा लेकर रुकवाया गया उक्त मामले में सड़क मरम्मत का कार्य कर रही कंपनी द्वारा पुलिस अधीक्षक दमोह को ज्ञापन सौंप कर उपस्थित सभी व्यक्तियों के द्वारा शासकीय कार्य आदेश के पालन में किये जा रहे निर्माण कार्य का बल पूर्वक विरोध किये जाने आवेदक की कंपनी के प्रति मिथ्या आक्षेप लगाये जाने एवं पुलिस तथा प्रशासन पर दबाव बनाकर कार्य रूकवाये जाने अनावेदक गण के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने एवं मामला पंजीबद्ध किये जाने जाये।

मैं वरूण परसरामपुरिया पिता श्री बिहारी लाल परसरापुरिया निवासी विजय ऑयल मिल परिसर थाना कोतवाली जिला दमोह उपरोक्त विशयांतर्गत निम्नलिखित निवेदन करता हूं यह कि मैं अर्जुन निर्माण इन्फास्ट्रक्र्स प्रा. लि. का भागीदार हूं मेरी कंपनी को दमोह जबलपुर रोड (ह्व॥-34) की मरम्मत एवं उससे आनुसांगिक कार्यों के संबंध में शासकीय भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधीकरण के द्वारा विधिवत कार्यआदेश जारी किया गया है उक्त कार्यादेश के परिपालन में मेरी कंपनी के द्वारा उक्त राजमार्ग पर मरम्त एवं आवश्यक आनुसांगिक कार्य विगत एक माह से

किये जा रहे है (कार्य आदेश संलग्न है) यह कि उक्त कार्य आदेश के परिपालन में कार्य करने हेतु भाटखमरिया तालाब से मिट्टी/मुरूम निकालने के संबंध में कंपनी के द्वारा विधिवत संबंधित ग्राम पंचायत की अनुमति प्राप्त की गई है। (ग्राम पंचायम की अनुमति संलग्न है) यह कि उक्त प्रकार के कार्यों में तालाबों के गहरीकरण से प्राप्त मिट्टी, बिना रायल्टी भुगतान के परिवहन के संबंध में खनिज साधन विभाग के द्वारा पूर्व में दिनांक 12/06/2024 को आदेश पारित किया गया था कि, उक्त प्रकार कि निकाली गई मिट्टी के परिवहन के लिये तथा उनके परिवहन के लिये किसी भी प्रकार की कोई अनुज्ञा की कोई आवश्यकता नहीं होगी। (खनिज साधन विभाग का आदेष संलग्न हैं ।) यह कि मेरी कंपनी के द्वारा विगत एक माह से उक्त कार्य किया जा रहा है कल दिनांक दोपहर 3.30 बजे के लगभग जब ग्राम भाट खमरिया में उक्त कार्य चल रहा था उसी समय जनपद

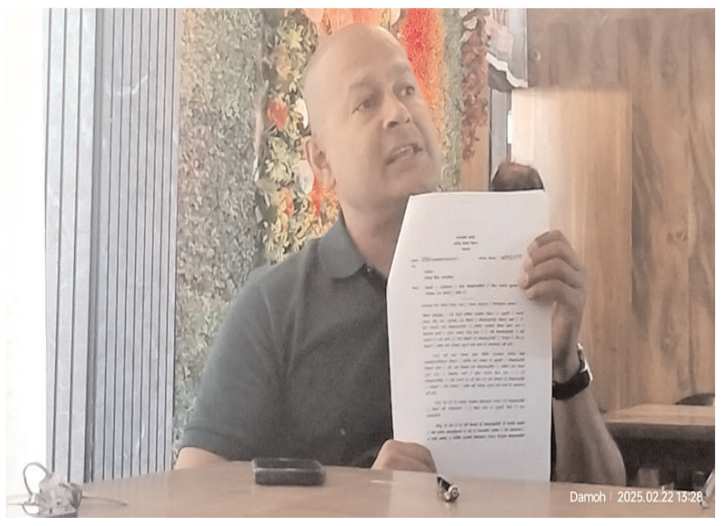

उपाध्यक्ष का पुत्र अंशुल कार्य स्थल पर आया और कंपनी में कार्य कर रहे मैनेजर राजाराम राय, हर्श खरे एवं उपस्थित अन्य कर्मचारी गणों से आकर कहने लगा कि काम बंद करो वहां पर उपस्थित कंपनी के व्यक्तियों ने जब अंशुल से पूछा काम बंद करने के लिये क्यो कह रहे तो अंशुल कार्य करते समय मषीनों का विडियो बनाने लगा और कंपनी के कर्मचारियों कि साथ अभ्रदता करते हुए काम बंद करने के लिए दबाव बनाने लगा।. उक्त घटना के करीब आधा घंटा के बाद जनपद उपाध्यक्ष का पुत्र अंशुल करीब 15-20 लोगों को अपने साथ लेकर आया और अंशुल व उसके साथ आये व्यक्तियों ने बलपूर्वक कार्य में अवरोध उत्पन्न करना षुरू कर दिया देखते ही देखते वहां पर लाल पट्टी संगठन के लगभग 100 से ज्यादा व्यक्ति उक्त कार्य स्थल पर एकत्रित हो गये और आवेदक की कंपनी के विरूद्ध मिथ्या आरोप लगाते हुए नारे वाजी करने लगे तथा कार्य स्थल पर ही अंषन पर बैठ गये।

यह कि घटना के समय जनपद उपाध्यक्ष के पुत्र अंपुल एवं जनपद उपाध्यक्ष के पति सुजान सिंह ने उक्त कार्य स्थल पर ही प्रेष वर्ता की और कंपनी के प्रति झूटे आरोप लगाते हुए पत्रकारों को गलत जानकारी दी और आवेदक की कंपनी एवं उसके अन्य भागीदारों की मानहानी करते हुए उनकी प्रतिष्ठा धूमिल किये जाने संबंधी वक्तव्य पत्रकारों को दिये। यह कि उसी समय जनपद उपाध्यक्ष के पुत्र अंशुल के द्वारा घटना स्थल पर पुलिस एवं जबेरा तहसील दार को बुला लिया गया चूंकि उस समय कानून और व्यवस्था कि स्थिति को ध्यान में हुए तहसील दार जबेरा के द्वारा कार्य में लगे हुऐ वाहनों को मौखिक रूप से जबेरा थाने ले जाये जाने हेतु कहा गया परंतु अंशुल एवं उसके साथ मौके पर उपस्थित अन्य व्यक्ति कार्य में लगे हुए वाहनों के सामने लेट गये और तहसील दार महोदय पर यह दबाब बनाने लगे कि मौके पर वाहनों को जब्त किया जाये चूंकि मौके पर उपस्थित कंपनी के मैनेजर एवं कर्मचारी गण के पास उक्त कार्य आदेष एवं अनुमतियों की हार्ड कॉपी उपलब्ध नहीं थी इस कार कंपनी के इस कारण तहसील दार महोदय को उस समय उक्त दस्तावेज नहीं दिखाये जाने के कारण तहसीलदार जबेरा के द्वारा मौके पर ही कंपनी के वाहनों को जब्त किया गया। यह कि आवेदक की कंपनी के द्वारा उक्त निर्माण कार्य से आनुषांगिक कार्य विधिवत रूप से नियमानुसार प्राप्त की गई स्वीकृती, अनुमति एवं कंपनी को मिले कार्यआदेश के अनुपालन में किया जा रहा था जिसकी संपूर्ण जानकारी आवेदक की कंपनी के व्यक्तियों आनावेदक अंशुल सुजान सिंह एवं उसके साथ उपस्थित अन्य व्यक्तियों को मौखिक रूप से दी गई थी इसके बावजूद भी उक्त कार्य में बलपूर्वक अवरोध उत्पन्न करने के आशय से अनावेदक गण के द्वारा दबाव बनाकर कार्य रूकवाया गया और बिना किसी आधार के कंपनी के भागीदारों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध अनर्गल मिथ्या वक्तव्य दिये गये। यह कि आवेदक के द्वारा इस आवेदन पत्र के साथ कार्य आदेश एवं एवं उससे संबंधित समस्त दस्तावेज प्रस्तुत किये जा रहे है जिससे स्पष्ट है कि उक्त कार्य नियमानुसार किया जा रहा था। अत: श्रीमान् जी से निवेदन है कि आनावेदक अंशुल सुजान सिंह एवं उसके साथ उपस्थित अन्य व्यक्तियों के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध करवाने की कृपा करें।

विधायक सेना महेश पटेल ने विद्युत विस्तार लाइन डीपी का लोकार्पण कर उदयगढ ब्लॉक को विकास की सौगात दिया

त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर में हैण्डपम्प लगवाया

जोबट विधायक सेना महेश ने पूर्व विधायक सुलोचना रावत से घर पर भेट कर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना

अलीराजपुर जोबट विधानसभा की विधायक सेना महेश पटेल ने क्षेत्र में भ्रमण के दौरान ग्राम अम्बुआ में त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर में पहुँच कर भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर में विधायक द्वारा हैंडपंप अपने स्वयं के खर्च से लगवाया, हैंडपंप का विधायक ने पूजा अर्चना कर 9 मटके में पानी भर कर उपस्थित महिलाओं को सिर पर रख कर भगवान भोलेनाथ को अर्पित करवा कर भगवान भोलेनाथ बाबा का आशीर्वाद लिया!!,अम्बुआ से जोबट विधायक सेना पटेल ग्राम पानगोला,ग्राम टेरका,वावड़ी खुर्द,पहुंच कर विद्युत विस्तार लाईन का उद्घाटन किया !!पानगोला सरपंच विधायक प्रतिनिधि थान सिंह भाई डावर सहित ग्रामीण जनों ने विधायक का फुलमाला ढोल,धमाको से स्वागत किया !! विधायक ने ग्रामीण जनो के साथ मिल कर विद्युत विस्तार लाइन का उद्घाटन कर सेना महेश पटेल ने ग्रामीणजनो को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे द्वारा आप सब को आस्वस्त किया गया था की जल्द ही विद्युत की समस्या दूर कर दूँगी ओर आज पानगोला,टेरका, बावड़ीखुर्द में विद्युत लाइन का कार्य का उद्घाटन

कर दिया गया है अब आपको लाइट की समस्या नहीं आएगी साथ ही विधायक ने बताया की मेरे द्वारा उदयगढ़ ब्लॉक के ग्राम खुसलबायडी, जम्बूखेड़ा डेकालकुवां ,काटकुवा में भी विद्युत विस्तार का कार्य पूर्ण करा दिया गया है !जल्द ही उनका भी उद्घाटन किया जाएगा !! मेरा लक्ष्य है हर गांव का विकास करना मैं रोड,लाइट, पुल ,पुलिया,खरंजा,सदुर सड़क,तालाब जो आपकी मूल,भूत सुविधा है उसको आप तक पहुँचाऊँ यही मेरा लक्ष्य है !! हो सकता है किसी का दो दिन ,किसी कि महीने,भर में काम होगा पर काम सबका ज़रूर होगा !! कोई निराश न हों सब का नंबर आयेगा आप सब मेरे परिवार के लोग हो मेरा ऐसे ही हौसला आप लोग बनाये रखना, भरोशा रखना आपकी सेना पटेल आपके भरोशे पर खरा उतरेगी आप सब मुझे बुलाते हो इतना मान सम्मान देते हो बहुत बहुत धन्यवाद आभार आप सबका !! उद्घाटन के पश्चात विधायक सेना महेश पटेल ग्राम कनाकाकड पहुंच कर जोबट की पूर्व मंत्री एवं विधायक सुलोचना रावत के घर जाकर उनके स्वास्थ्य का हाल चाल जाना ओर भगवान से उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की !! उद्घाटन के दौराना उपस्थित, ज्ञान सिंह मुजल्दा,नगरसिंह वसुनिया, थानसिंह डावर,बाथू बघेल,कलम सिंह ,अमन सिंह तड़वी, कुंवर सिंह खराडी,नाथू खराड़ी, साकरिया अजनार, गुमान मुवेल, जुवान सिंह देहदिया, सब्बीर बोहरा,दलसिंह, कनू भाई, सुखलिया सोलंकी, लाल चंद गांधी, विक्रम पटेल,करण भाई, शाहिद डिडवाट,राकेश हावू,मंत्री सुमल बघेल सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता ग्रामीण जन उपस्थित रहे!!!

रात्रि 10 बजे के बाद डीजे और लाउडस्पीकर का प्रयोग करने वालों पर होगी कडी कार्यवाही - डीएम मनीष बंसल..

बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत जिला प्रशासन ने उठाया महत्वपूर्ण कदम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत सख्त निर्देश दिए कि यदि किसी मैरिज गार्डन, बैंक्वेट हॉल, होटल या साउंड सर्विस संचालक द्वारा रात्रि 10:00 बजे के बाद डीजे और लाउडस्पीकर का प्रयोग किया जाएगा तो संबंधित स्वामी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि ऐसी स्थिति में आयोजक के विरूद्ध भी कार्यवाही होगी। साथ ही संबंधित थाना क्षेत्र के चौकी इंचार्ज की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। जनपद में बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस फैसले के तहत यदि कोई भी इस आदेश का उल्लंघन करेगा, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान छात्रों को शांति से पढ़ाई करने के लिए एक शांतिपूर्ण

माहौल की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान में चल रही परीक्षाओं के दौरान कई मैरिज गार्डन और होटल्स में शादी समारोह के दौरान तेज आवाज वाले डीजे बजाए जा रहे थे। इससे छात्रों को पढ़ाई में गंभीर परेशानी हो रही है। जनपद में होने वाले शादी-ब्याह के आयोजनों में डीजे और लाउडस्पीकर की आवाज इतनी तेज होती थी कि न केवल आसपास के क्षेत्रों के लोग,बल्कि परीक्षार्थी भी इससे प्रभावित हो रहे थे। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि इस आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभाग सक्रिय रूप से काम करेंगे।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि यह कदम प्रशासन द्वारा छात्रों की भलाई और उनके मानसिक शांति को बनाए रखने के लिए उठाया गया है। छात्रों को बोर्ड परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की मानसिक बाधा से बचाना और उन्हें एक शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके अलावा, यह कदम समाज में ध्वनि प्रदूषण को कम करने और लोगों को जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

जिला विधिक प्राधिकरण के तहत विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया

तराना- जिला विधिक प्राधिकरण के तहत सिविल न्यायालय के सहयोग से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन सीनियर बालक छात्रावास एवं सीनियर बालिका छात्रावास तराना में आयोजित किया गया कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में न्यायाधीश आयुष अरोरा रहे। शिविर आयोजक उमेश बारेठा जिला विधिक प्राधिकरण सदस्य उपस्थित रहे। विशेष अतिथि न्यायाधीश श्री अरोरा ने डिजिटल अरेस्ट के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस सी.बी.आई., ई. डी इत्यादि कोई भी विभाग फोन या वीडियो पर अरेस्ट नहीं करते हैं। बच्चों से चर्चा करते हो बताया कि हमें हमेशा कभी भी अपने एटीएम का पिन किसी को नहीं बताना चाहिए कभी भी बैंक एटीएम पिन नहीं मांगती है , ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के बारे में यातायात के नियमों का पालन करने के बारे में जानकारी दी गई जिला विधिक प्राधिकरण सदस्य उमेश बारेठा के द्वारा बच्चों को साइबर फ्रॉड से बचने के बारे में जानकारी दी गई और बच्चों से कहा गया कि आप मोबाइल के गेम्स के लालच में ना आए,शेयर बाजार और लुभावने वाले लिंक से बचे और शारीरिक खेल ,व्यायाम की ओर बच्चों को बढ़ाने की सलाह दी गई, बच्चों ने ध्यान

पूर्वक सुना और प्रतिक्रिया में प्रश्न पूछे और अरोरा जी से बच्चों ने अपने भविष्य की शिक्षा के बारे में भी चर्चा की और प्रतियोगी परीक्षा की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बालिका बच्चों की व्यवस्था की जानकारी बताई ओर आभार व्यक्त किया।

रेवली-देवली में चोरी की घटना का हुआ खुलासा चड़ोली सहित राजस्थान का आरोपी गिरफ्तार

नीमच जिला पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल द्वारा चोरी एवं नकबजनी के अपराधों में चलाये जा रहे अभियान के तहत एएसपी नवलसिंह सिसोदिया एवं सीएसपी अभिषेक रंजन के मार्गदर्शन में नीमच सिटी थाना प्रभारी निरीक्षक विकास पटेल के नेतृत्व में पुलिस थाना नीमच सिटी की टीम ने करीब डेढ माह पहले ग्राम रेवली-देवली में मकान से चोरी गये नगदी एवं सोने चांदी की रकम बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

जानकारी के अनुसार, बीती दिनांक- 06 जनवरी को फरियादी शंकरलाल पिता नारायण नागदा निवासी रेवली-देवली ने रिपोर्ट किया कि, दिनाकं- 5 व 6 जनवरी 2025 की रात अज्ञात आरोपियों ने उसके मकान एवं दुकान का ताला तोड़कर दुकान में रखे नगदी रूपये एवं मकान में रखी आलमारी उठाकर ले गये। जिसमें सोने चांदी की रकम रखी थी। कोई अज्ञात बदमाश उसके घर एवं दुकान से नगदी एवं सोने चांदी के जैवरात चोरी कर ले गये। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना नीमच सिटी पर अपराध क्रमांक- 05/2025 धारा- 305 (ए), 341 (4) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान दिनांक- 20 फरवरी 2025 को मुखबीर की सूचना पर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से प्रकरण में चोरी गये नगदी रूपये एवं सोने चांदी के जेवरात बरामद किये गये।

यह आरोपी गिरफ्तार- उक्त कार्यवाही के दौरान पुलिस ने आरोपी विशाल पिता बाबुराम हिरावत जाति बांछडा (24) निवासी चड़ोली थाना नीमच सिटी, महेश पिता रामपाल सिंगावत जाति बांछडा (18 वर्ष 08 माह) निवासी ग्राम किशनपुरा और रवि पिता रमेश बमणावत जाति कंजर (18 साल 08 माह) निवासी सारण का खेडा थाना माण्डलगढ, हा.मु. रोशन बांछडा का किराये का मकान चड़ोली थाना नीमच सिटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 हजार रूपये नगदी, 500 ग्राम चांदी के जैवरात और आधा तोला सोने के जेवरात जप्त किए है।

इनकी सरहानीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में सराहनीय भुमिका निरीक्षक विकास पटेल, सहायक उपनिरीक्षक दयाल हाडा, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र जगावत, प्रधान आरक्षक ईश्वर सिंह सिसौदिया, आरक्षक रामप्रसाद पाटीदार, आरक्षक लोकेन्द्र आर्य आरक्षक लक्की शुक्ला, आरक्षक सुनिल शर्मा, आरक्षक महेन्द्र कुमार, आरक्षक दशरथ थावरिया, सेनिक आजाद सिंह, सेनिक हरिवल्लभ सोलंकी की सराहनीय भूमिका रही।

राणा सागर तालाब नप कार्यालय के पीछे से हो रही पानी की चोरी

क्या होगी वसूली और एफआईआर

अवैध पानी चोरी की पाइप लाइन

चामुंडा बस स्टैण्ड पुलिया के नीचे पाइप लाइन

झाड़ पर लगा कनेक्शन

रानापुर -रानापुर का राणा सागर तालाब पहले ही अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा ओर अब इसका पानी भी लोग मोटर लगाकर खेती को लाभ का धंधा बनाने में लगे है। राणा सागर तालाब से पिछले कई वर्षों से पानी चोरी की जा रही लेकिन किसी का भी ध्यान इस पानी चोरी को रोकने की ओर नहीं गया ओर आज भी तालाब में मोटरे लगी हुई है। पहले भी मिडिया में कई बार पानी चोरी की खबरों को प्रकाशित किया गया लेकिन किसी ने पानी चोरी रोकने और मोटरों को जप्त करने की हिम्मत नहीं दिखाई जिसके चलते बेखौफ राणा सागर में मोटरों को लगाकर पानी खेत में लिया जा रहा है। ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ होने वाली है तालाब के पानी से किनारे बने हुए कुएं रिचार्ज होकर लोगों के काम इसका पानी आता है क्योंकि रानापुर में पानी का कोई स्थाई समाधान नहीं होकर ग्रीष्म ऋतु में पानी की किल्लत बरकरार रहती है। नगर परिषद रानापुर राणा सागर तालाब से पानी चोरी करने वालो के खिलाफ क्या कार्यवाही करती है उनसे दंड वसूलती है या नहीं या फिर अनदेखा करती यह आने वाले दिनों में पता चलेगा। इस संबंध में सीएमओ संजय पाटीदार से चर्चा की तो उनके द्वारा नोटिश देना बताया है।

नगर परिषद खेतिया द्वारा निकाय की बेकलेन को पेंटिंग से रंगा गया

खेतिया-नगर परिषद खेतिया द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की की तैयारी लगभग पूर्ण होने पर। नगर परिषद के अंतर्गत पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसके माध्यम से स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा बैकलेन पर पर स्वच्छता की वॉल पेंटिंग की गई और स्वच्छता का संदेश दिया गया। प्रतियोगिता में शासकीय कन्या विद्यालय, शासकीय बालक विद्यालय गुरुकुल पब्लिक स्कूल ,संदीपनी पब्लिक स्कूल, वेदांत गुरुकुल स्कूल सरस्वती शिशु मंदिर आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद सूर्यकांत ऐसीकर, वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद प्रतिनिधि कमलेश राजपूत, नगर परिषद सीएमओ ईश्वर महाले, अशोक शिंदे प्रदीप चौहान सहित नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित थे।

चैक अनादरण के प्रकरण में, कुक्षी न्यायालय ने राहुल पिता सुखदेव पाटीदार को दो वर्ष के कारावास व 4,80,000/- रुपये की राशि प्रतिकर के दण्ड से दण्डित किया

कुक्षी- ग्राम पूरा निवासी राहुल पिता सुखदेव पाटीदार द्वारा, परिवादी धनवर्षा साख सहकारी संस्था कुक्षी से ऋण लिया गया था, उक्त ऋण व इसके ब्याज की बकाया राशि मे से आंशिक राशि का भुगतान करने हेतु राहुल पाटीदार द्वारा धनवर्षा साख सहकारी संस्था के पक्ष में एक चैक जारी किया गया था। यह चैक बाउंस होने से धनवर्षा साख सहकारी संस्था द्वारा राहुल पाटीदार के विरुद्ध कुक्षी न्यायालय में चैक बाउंस का एक परिवाद प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों व साक्ष्य के आधार पर धनवर्षा साख सहकारी संस्था अपना प्रकरण प्रमाणित करने में सफल रही होने से, न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कुक्षी द्वारा ग्राम पूरा निवासी राहुल पाटीदार को दोषी पाते हुए, राहुल पाटीदार को दो वर्ष के कारावास से दण्डित किया तथा 4,80,000/- की राशि राहुल पाटीदार द्वारा धनवर्षा साख सहकारी संस्था को प्रतिकर स्वरूप अदा करने का निर्णय पारित किया गया। धनवर्षा साख सहकारी संस्था की ओर से न्यायालय में पैरवी अधिवक्ता देवेश पाटीदार कुक्षी द्वारा की गई।

सट्टा खेलते 03 आरोपियो को राणापुर पुलिस ने धरदबोचा

राणापुर- पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल के द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को अवैध गतिविधीयो में लिप्त अपराधियो की धरपकड करने हेतु निर्देशित किया गया था, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे एवं अनुविभागीय अधिकारी झाबुआ श्रीमति रुपरेखा यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राणापुर निरीक्षक दिनेश रावत द्वारा पुलिस टीम बना कर लगातार अवैध गतिविधीयो में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 22.02.2025 को थाना राणापुर पुलिस द्वारा सट्टा अंक लेख करते 03 आरोपीयो को अलग- अलग स्थानो पर दबिश देकर धरदबोचा एवं पृथक पृथक आरोपियो के विरुध्द प्रकरण पंजीबध्द किये गये ।

1.थाना राणापुर की पुलिस को विश्वसनीय मुखबीर की सुचना मिली की नया बस स्टैण्ड शिव मंदिर के पास आरोपी मोहन पिता नानका भुरिया उम्र 35 साल निवासी उबैराव के कब्जे से 02 सट्टा पर्ची व एक पैन व नगदी कुल 430 रुपये जप्त कर गिरफ्तार किया आरोपी के विरुध्द थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 56/2025 धारा 4(क) सट्टा अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

2.थाना राणापुर की पुलिस को विश्वसनीय मुखबीर की सुचना मिली की नया बस पीपल के पैड के पास आरोपी रामचन्द्र पिता मोती डामोर उम्र 45 साल निवासी थुवादरा के कब्जे से 02 सट्टा अंक लिखी पर्ची एक पेन व नगदी 370 रुपये जप्त कर गिरफ्तार किया आरोपी के विरुध्द थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 57/2025 धारा 4(क) सट्टा अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

3. थाना राणापुर की पुलिस को विश्वसनीय मुखबीर की सुचना मिली की रजला पानी की टंकी के पास आरोपी हरीश पिता कलमसिहं बारिया उम्र 22 साल निवासी रजला के कब्जे से 02 सट्टा अंक लिखी पर्ची एक पेन व नगदी 450 रुपये जप्त कर गिरफ्तार किया आरोपी के विरुध्द थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 58/2025 धारा 4(क) सट्टा अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

कुल जप्त मश्रुका:- 06 अंक लिखी सट्टा पर्ची व 03 पैन व कुल नगदी 1250 रुपये

नाम आरोपीगण:- 1 मोहन पिता नानका भुरिया उम्र 35 साल निवासी उबैराव

2.रामचन्द्र पिता मोती डामोर उम्र 45 साल निवासी थुवादरा

3. हरीश पिता कलमसिहं बारिया उम्र 22 साल निवासी रजला

सराहनीय कार्य:- उक्त सराहनीय कार्यवाही मे थाना राणापुर प्रभारी निरीक्षक दिनेश रावत , प्रधान आरक्षक 384 गुलाब, प्रधान आरक्षक 248 दीपसिहं , प्रधान आरक्षक 335 राजेन्द्र गणावा , प्रधान आरक्षक 129 भेरुसिहं , आरक्षक 196 अजमेर एवं आरक्षक 296 प्रदिप का महत्वपुर्ण योगदान रहा ।

10 दिवसीय महाशिवरात्रि पर्व पर धार्मिक एवं व्यवसायिक मेले का आयोजन नगर परिषद

कुकड़ेश्वर। नगर में भव्य महाशिवरात्रि पर दस दिवसीय मेले का आयोजन नगर परिषद कुकड़ेश्वर के तत्वाधान में धार्मिक एवं व्यवसायिक मेला का भव्य आयोजन होगा। शनिवार को मेला प्रांगण में व्यापारियों का ब्लॉक का वितरण किया गया मौके पर पत्रकारों की टीम मेला प्रांगण पर पहुंची मेले में आए प्लाट लेने वाले व्यापारी झूला चकरी के व्यापारी चुम्मा भाई ने बताया हम 10 दिन पूर्व से यहां आकर डेरा डाले हैं हमने हमारी सारी तैयारी कर ली है मेला अधिकारी गोपाल मोर ने पत्रकार पटेल को बताया नगर परिषद के तत्वदान में 10 दिवसीय मेले का आयोजन होता है मेला समिति अध्यक्ष ने राजू खाती को बताया मेले में रंगारंग आयोजन होगा आज प्लांट वितरण करने का प्रथम दिन है मेला प्रभारी गौरव आचार्य ने बताया परंपरा अनुसार महादेव मंदिर परिसर पर महाशिवरात्रि के दिन से 10 दिवसीय मेले का अयोजन नगर परिषद के द्वारा किया जाता है बाहर से पधारे व्यापारियों ने अपने-अपने मुकाम को संभाल लिया है और बड़ी प्रसन्नता के साथ प्लांट वितरण कार्यक्रम में शरीक हुए नगर परिषद के सीएमओ कमल सिंह परमार ने मेले में प्लांट ब्लॉक लेने पधारे सभी व्यापारियों का एवं झूला चकरी के व्यापारियों का तहेदिल से स्वागत किया उन्हें आश्वासन दिया आपको किसी भी तरह से कोई तकलीफ नहीं होगी नगर परिषद की अध्यक्षा श्रीमती उर्मिला महेंद्र पटवा ने बताया कि महाशिवरात्रि का पर्व एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है ईवनगर परिषद के तत्वाधान में यहां मैले का आयोजन होता है नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली उज्जवल पटवा ने बताया है कि परंपरा अनुसार नगर में महाशिवरात्रि का मेला भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद तले इनके परिसर में महादेव के बड़े तालाब के तट पर 10 दिवसीय मेले का आयोजन होता है नगर वासी एवं क्षेत्र के आसपास के लोग मेले में आते हैं और मेले का लुफ्त उठाते हैं नगर पटेल राजेंद्र पटेल ने भी प्रेस को बताया कि यहां हमारे महादेव मंदिर की व्यवस्थापक समिति के प्रबंधक अध्यक्ष कलेक्टर के सानिध्य में मंदिर के सारे व्यवस्थाओं के कार्य उनके सानिध्य में होता है यहां किसी भी प्रकार की कोई अव्यवस्था नहीं होती है शासन प्रशासन की नजरों में मेले का आयोजन होता है कुकड़ेश्वर महादेव मंदिर पर हर वर्ष होता है चमत्कारप्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कुकड़ेश्वर नगर में भगवान सहस्त्रमुकेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि मेला आयोजित किया जा रहा है। नगर परिषद कुकड़ेश्वर द्वारा आयोजित यह मेला 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 10 दिवसीय 7 फरवरी तक रहेगा। मेले में व्यापारिक, धार्मिक और मनोरंजन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां होंगी, जिससे नगरवासियों और श्रद्धालुओं को आनंद की अनुभूति होगी।

बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष

झूले और मनोरंजन स्टॉल लगाने वाले चुम्मा भाई, बिल्ला भाई और जब्बार भाई का कहना है कि वे पिछले 60 वर्षों से इस मेले में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस बार उन्होंने तीन बड़ी नाव, एक ब्रेकडांस, एक टोरो-टोरो और एक ड्रैगन रेल लेकर आए हैं, जिससे बच्चों और युवाओं को खासा आनंद मिलेगा।भोलेनाथ की कृपा मंदिर परिसर में होते हैं चमत्कार मंदिर पुजारी कैलाश गोस्वामी ने बताया कि हर वर्ष महाशिवरात्रि मेले की तैयारियां जोरों पर मेले की तैयारियों को देखते हुए झूले-चकरी, नाव के व्यापारी एवं मेले में पधारे व्यापारियों में बड़ी खुशी जाहिर है

कलेक्टर ने ली छात्रावासों एवं आश्रमों के अधीक्षकों की

बड़वानी कलेक्ट्रेट सभागृह में जनजातीय कार्य विभाग के समस्त छात्रावास आश्रम अधीक्षकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर द्वारा निर्धारित बिंदुओं पर समीक्षा की जाकर समस्त छात्रावास आश्रम अधीक्षकों को बच्चों के समग्र विकास पर फोकस करने हेतु निर्देशित किया गया ।बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जावे उन्हें गुणवत्ता युक्त नाश्ता एवं भोजन मीनू अनुसार मिले ,छात्रावास आश्रम परिसर में साफ सफाई, शौचालय में साफ सफाई आदि नियमित रूप से कराई जावे । बैठक के दौरान कलेक्टर ने अधीक्षकों को छात्रावास आश्रम परिसर में ही निवास करने एवं रात्रि में अनिवार्यत: विश्राम करने के भी निर्देश दिए गए एवं परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों से उनके अध्ययन एवं शैक्षणिक गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग करने की भी निर्देश दिए । साथ ही इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में बच्चों का अच्छा परीक्षा परिणाम आ सके इस पर भी फोकस करने के निर्देश दिए गए । बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित कराया जाकर पंजी संधारित की जावे एवं बच्चों के स्वास्थ्य में कोई कमी पाई जाने पर समुचित उपचार की व्यवस्था भी की जावे यह भी निर्देश दिए गए । छात्रावास आश्रम में आरओ क्रियाशील अवस्था में रहे पानी की टंकी की साफ सफाई नियमित रूप से करवाई जावे तथा आर.ओ. से फिल्टर्ड पानी ही प्रदाय किया जावे एवं गुणवत्ता युक्त भोजन ही प्रदाय किया जावे इसके भी निर्देश दिए गए ताकि बच्चों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े । छात्रावास आश्रम में निवासरत बच्चों को उनके पालकों अथवा माता-पिता जिनका फोटो एवं विवरण छात्रावास आश्रम में उपलब्ध है उनके साथ ही भेजा जावे अन्य किसी व्यक्ति के साथ किसी भी स्थिति में नहीं भेजा जावे इस संबंध में भी सख्त रूप से निर्देशित किया गया ।छात्रावास आश्रम संचालन के संबंध में समय समय पर जारी निर्देशों का पालन करते हुए समस्त व्यवस्थाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए किसी भी निरीक्षण में कोई कमी नहीं दिखाई दे । अधीक्षक का उत्तरदायित्व है कि वह छात्रावास आश्रम की समस्त व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करें अत: भविष्य में किसी भी प्रकार की कमी या लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जावेगी।

भारतीय टीम को डरा रहा चैंपियंस ट्रॉफी का इतिहास

आज दुबई में होगा दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों का आमना-सामना

वनडे में भारत पर भारी है पाकिस्तान टीम

न्यूजीलैंड से पहला मैच हार चुकी पाकिस्तान

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5वें मुकाबले में मैन इन ब्लू और मैन इन ग्रीन यानी चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। ऐसे में फैंस के मन में सवाल उठ रहा है कि इन दोनों टीमों के बीच वनडे में किसका पलड़ा भारी है। इतना ही नहीं दुबई में दोनों टीमों के बीच कितने वनडे खेले गए हैं। साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी में यह दोनों टीम कितनी बार टकराई हैं। भारत और पाकिस्तान ने 2012 से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। ये दोनों पड़ोसी मुल्क सिर्फ आईसीसी इवेंट में टकराते हैं। वनडे में हेड टू हेड की बात करें तो पाकिस्तान टीम कहीं मजबूत नजर आती है। भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे में अब तक 135 बार आमाना-सामना हुआ है। इस दौरान भारतीय टीम ने 57 मैच पर कब्जा जमाया है। वहीं पाकिस्तान टीम ने 73 मुकाबले जीते हैं। 5 मुकाबलों का कोई नतीजा नहीं निकला है। पिछले 25 सालों में दोनों टीमों के बीच 57 बार भिड़ंत हुई है। इस दौरान भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। भारत ने 30 और पाकितास्तान ने 26 मैच अपने नाम किए। साथ ही 1 मैच बेनतीजा भी रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी में हेड टू हेड चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच 5 बार आमना-सामना हुआ। आईसीसी के इस इवेंट में भी पाकिस्तान टीम आंकड़ों में मजबूत है। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 3 बार हराया था। वहीं भारतीय टीम पाकिस्तान को 2 मुकाबलों में ही शिकस्त दे पाई है। आखिरी बार यह टीमें चैंपियंस ट्रॉफी 2017 के फाइनल में भिड़ी थीं। पाकिस्तान ने इस मैच को 180 रन से जीता था।

दुबई में में भारतीय टीम प्रदर्शन बेहतर, कोई वनडे मैच नहीं हारी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5वें मैच में भारतीय टीम दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान का सामना करेगी। ऐसे में यह जानना भी जरूरी है कि इस मैदान पर किस टीम के आंकड़े शानदार हैं। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडिमय में

भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक 2 वनडे मैच खेले गए हैं। एशिया कप 2018 के इन दोनों ही मुकाबलों में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई है। ऐसे में दुबई में भारतीय टीम मजबूत नजर आती है। इस मैदान पर भारतीय टीम कोई वनडे मैच नहीं हारी है। दुबई स्टेडियम में भारत ने 7 वनडे खेले हैं और 6 में विजय प्राप्त की है। 1 मुकाबला टाई भी रहा है।

सचिन तेंदुलकर ने पाकिस्तान के खिलाफ बनाए हैं सबसे ज्यादा रन वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा रन पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बनाए हैं. सचिन तेंदुलकर ने 69 वनडे मैच में 40.09 की औसत के साथ 2,526 रन बनाए हैं। इस दौरान सचिन तेंदुलकर का हाईएस्ट स्कोर 141 हैं। सचिन तेंदुलकर के बल्ले से 5 शतक और 16 अर्धशतक भी निकले है। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ हैं। राहुल द्रविड़ ने पाकिस्तान के खिलाफ 58 मैच में 36.51 की औसत से 1,899 रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर मौजूद मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 64 मैच में 31.86 की औसत से 1,657 रन बनाए हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा विकेट पूर्व स्टार गेंदबाज अनिल कुंबले और जवागल श्रीनाथ के नाम दर्ज हैं। दोनों दिग्गजों के नाम 54-54 विकेट है। अनिल कुंबले ने 34 मैच खेले हैं और 24.25 की औसत से ये विकेट लिए हैं। जवागल श्रीनाथ ने 36 मैच में 30.68 की औसत से ये विकेट चटकाए हैं। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर वेंकटेश प्रसाद हैं। वेंकटेश प्रसाद ने पाकिस्तान के खिलाफ 29 मैच खेले हैं और 28.90 की औसत से 43 विकेट झटके हैं।

टीम इंडिया के मौजूदा खिलाड़ियों का पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन टीम इंडिया के मौजूदा खिलाड़ियों में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट दिग्गज तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ 10 मैच में 14 विकेट झटके हैं। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर सयुंक्त रूप से रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा हैं। दोनों दिग्गज गेंदबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ 10-10 विकेट लिए हैं। कुलदीप यादव और हार्दिक पांड्या के नाम 5-5 विकेट है। मौजूदा खिलाड़ियों में रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा 16 मैच में 720 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 13 मैच में 536 रन बनाए है।

एक महीने का बिजली बिल 799 करोड़ रुपये, घर के मालिक के उड़े होश

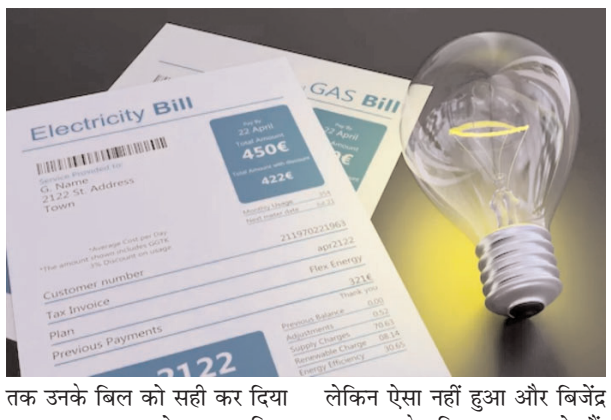

आजमगढ़ आपने कई बार ऐसी खबर सुनी होगी कि एक शख्स जिसके घर पर बिजली का कनेक्शन ही नहीं है. उसका बिजली बिल आ जाता है. ऐसे ही कभी छोटे उपभोक्ताओं का बिल लाखों में आ जाता है. अब एक बार फिर से ऐसा ही मामला सामने आया है, लेकिन इस बार एक शख्स का बिल लाखों में नहीं, बल्कि करोड़ों में भेज दिया गया है. शख्स ने बताया कि उसका एक महीने का बिल ही 799 करोड़ का आया है.दरअसल ये मामला उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का है, जहां अराजीबाग के रहने वाले एक डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉक्टर बिजेंद्र राय ने पिछले साल ही नया मकान बनाया है. उन्होंने बताया कि उनका पहले महीने का बिल ही 799 करोड़ का आया, जिसे देखकर बिजेंद्र राय के होश उड़ गए. उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत निगम अधिकारियों से की तो उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले महीने तक उनके बिल को सही कर दिया जाएगा. 799 करोड़ का बिल बिजेंद्र राय के लिए परेशानी का सबब बन गया. क्योंकि निगम अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद भी उनकी समस्या का हल नहीं हुआ. इसके बाद उन्होंने अधिशासी अभियंता से लिखित शिकायत की, लेकिन फिर भी उनकी परेशानी का हल नहीं निकला. उन्होंने भी बिजेंद्र राय को आश्वासन दिया कि अगले महीने तक दुरुस्त कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और बिजेंद्र समधान के लिए भटक रहे हैं. बिजेंद्र राय 799 करोड़ के बिल की शिकायत को लेकर जब वह विद्युत निगम के मुख्य अभियंता के पास गया तो उन्होंने इस बारे में जानकारी न होने की बात कही. मुख्य अभियंता नरेश कुमार ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है. उन्होंने बिजेंद्र राय से बिल की एक कॉपी भेजने के लिए बोला और साथ ही कहा कि हम जांच कर बिल को दुरुस्त कराएंगे.

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर बाइकर ने ली कार सवार अंकल की क्लास

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर हर दिन न जाने कितने वीडियो वायरल होते हैं, मगर कुछ वीडियो ऐसे होते हैं जो लोगों का ध्यान खींच लेते हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है। इस वीडियो में एक बाइक सवार और कार ड्राइवर के बीच बीच सड़क पर बहस हो रही है। दोनों एक दूसरे को गुनहगार ठहराते नजर आ रहे हैं।

क्या है पूरा मामला? यह वायरल वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया है। वीडियो में एक बाइक सवार सीधा अपने रास्ते पर चला जा रहा था, लेकिन तभी सामने से एक कार गलत दिशा में आती है और ओवरटेक करने की कोशिश करती है। दिलचस्प बात ये है कि कार ने 'डू नॉट क्रॉस' लाइन को पार कर रॉन्ग साइड से ओवरटेक किया था, जो ट्रैफिक नियमों के खिलाफ है। बाइक सवार को ये हरकत इतनी नागवार गुजरी कि उसने तुरंत अपनी बाइक कार के सामने रोक दी। उसने कार ड्राइवर से कहा कि गलती मेरी नहीं, आपकी है। आपने ट्रैफिक नियम तोड़ा है, मैं पीछे नहीं हटूंगा, आपको ही गाड़ी साइड करनी होगी। यह सुनकर कार ड्राइवर बाइक सवार पर भड़क गया और बहस करने लगा।

बाइक सवार ने दिखाया सख्त रवैया कार ड्राइवर को लगा कि वह बहस करके बाइक सवार को पीछे हटने पर मजबूर कर देगा, मगर बाइक सवार टस से मस नहीं हुआ। उसने अपनी बात पर अडिग रहते हुए कहा कि आप गलत हैं, तो आपको ही गाड़ी पीछे करनी होगी। इस दौरान सड़क पर ट्रैफिक चलता रहा, लोग बीच-बचाव करने आए लेकिन बाइक सवार ने हार नहीं मानी। आखिरकार, जब कोई रास्ता नहीं बचा तो ड्राइवर को ही गाड़ी पीछे करनी पड़ी। ये पूरा वाकया बाइकर ने अपने कैमरे में कैद कर लिया और अब ये वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है।

जीत से गदगद ट्रूडो... अमेरिका को कह दिया- हमारा देश नहीं ले सकते

इंटरनेशनल । खेलों में सबसे बड़ा मुकाबला भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट मैच को माना जाता है, लेकिन ट्रंप के सत्ता में आने के बाद कनाडा और अमेरिका का आइस हॉकी मुकाबला भी इसी कैटेगरी में आ गया है. 21 फरवरी को बॉस्टन में कनाडा ने अमेरिका को आइस हॉकी में हराया और इसके बाद राजनीतिक जंग शुरू हो गई.हॉकी के मैच में अमेरिका को हराने के बाद मैच ने अचानक से सियासी रूप ले लिया और कनाडा के पीएम ट्रूडो ने राष्ट्रपति ट्रंप को घेरना शुरू कर दिया. जीत से गदगद ट्रूडो ने कहा,ट्रंप खेल नहीं जीत पाए, भला देश कैसे जीतेंगे? कनाडा ने 3-2 के साथ इस मुकाबले में जीत हासिल की. बॉस्टन के आइस हॉकी मैच के अंतिम क्षणों में कनाडा के कॉनर मैक्डेविड ने निर्णायक गोल दागा और स्टेडियम में कनाडा समर्थकों का शोर गूंजने लगा. कानाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो भी अपनी कुर्सी से उछल पड़े, अपने साथियों के गले मिले और बधाइयां दीं. कनाडा की इस जीत पर ट्रूडो ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म X पर पोस्ट कर लिखा कि तुम हमारा देश नहीं ले सकते, तुम खेल में भी मुकाबला नहीं कर सकते. इसी के साथ मुकाबला जीतने के बाद ट्रूडो ने कहा, पिछली रात ने हमें याद दिलाया कि कनाडाई लोगों के लिए हॉकी का इतना महत्व क्यों है – यह हमारे खून, हमारे दिल, हमारे इतिहास में है. इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप देश के किसी भी कोने से आए, हम सभी ने एक होकर खुशी मनाई. इस टीम पर गर्व है. कनाडा पर गर्व है.

इजरायली बंधक की 505 दिन बाद हुई रिहाई

हमास लड़ाकों के माथे को चूमता हुआ आया नजर

गाजा । हमास ने छह इजरायली बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया। इन छह लोगों में तीन इजरायली पुरुष शामिल हैं, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से पकड़ा गया था, जब सात अक्टूबर, 2023 को हमास के आतंकवादियों ने हमला किया था। छोड़े गए इजरायली बंधकों की पहचान ओमर वेंकार्ट, ओमर शेम टोव और एलिया कोहेन के रूप में हुई है। इन तीनों को हमास ने नुसेरात शहर में एक मंच पर लाकर पेश किया, जहां उन्होंने भीड़ की ओर हाथ हिलाया और अपनी रिहाई के प्रमाण पत्र दिखाए। रिहाई के दौरान ओमर शेम टोव ने मंच पर मौजूद दो हमास लड़ाकों के माथे पर किस दिया और खुशी जाहिर की। इसके बाद रेड क्रॉस के अधिकारियों ने उन्हें अपनी सुरक्षा में लिया और एक काफिले के जरिए उन्हें वहां से ले जाया गया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

इस घटना ने दुनिया भर में लोगों का ध्यान खींचा है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे स्टॉकहोम सिंड्रोम का उदाहरण बताया, जबकि अन्य ने इसे शांति और मानवता के एक दुर्लभ क्षण के रूप में देखा। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार, ये तीनों बंधक 505 दिनों तक हमास की कैद में रहे थे। रिहाई के बाद, उन्हें इजरायल की सीमा पार कराई गई, जहां उनकी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक जांच के लिए एक चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया। शनिवार को कुल छह बंधकों को रिहा किया गया, जो 19 जनवरी को शुरू हुए संघर्ष विराम समझौते के पहले चरण के तहत अंतिम जीवित बंधक थे।

रिहाई के बाद परिवार की प्रतिक्रिया टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, ओमर शेम टोव के पिता माल्की शेम टोव ने अपने बेटे के खुशहाल स्वभाव को उसकी पहचान बताया। उन्होंने चैनल 12 से वीडियो कॉल पर बातचीत में कहा, ओमर थोड़ा पतला हो गया है, लेकिन वह खुशमिजाज है, सकारात्मकता से भरा हुआ है। वह हमेशा आशावादी रहता है। उन्होंने आगे कहा, हमें अंदाजा भी नहीं था कि वह किस हाल में होगा। लेकिन जब वह बाहर आया और मुस्कुराते हुए हाथ हिलाया, तो यह हमारे लिए हैरान करने वाला था। ओमर के भाई ने भी उसकी सकारात्मकता की सराहना करते हुए कहा, वह हमेशा, हमेशा सकारात्मक रहता है।

बता दें कि आज छोड़े गए बंधकों में से दो को हमास ने लगभग एक दशक तक बंधक रखा था, जब से वे दोनों अकेले ही गाजा में घुसे थे। गाजा में दो अलग-अलग समारोहों में सैकड़ों फिलिस्तीनियों के सामने नकाबपोश, सशस्त्र हमास लड़ाकों द्वारा मंच पर लाकर पांचों को रेड क्रॉस को सौंप दिया गया। बंधकों को रिहा करने के सार्वजनिक प्रदर्शनों के लिए हमास की कड़ी आलोचना की जा रही है। इजराइल, संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रॉस ने कहा है कि यह क्रूर तरीका है और बंधकों की गरिमा का ध्यान नहीं रखा गया।

इजराइल और हमास के बीच बंधकों और कैदियों की रिहाई ऐसे वक्त में हो रही है जब हमास के चरम पंथियों ने अगवा किए गए दो छोटे बच्चों की मां शिरी बिबास के बजाए किसी और का शव सौंप दिया था और इसे लेकर फिलिस्तीन खफा है। हमास ने दो बेटों के शवों के साथ महिला का जो शव सौंपा था वह फलस्तीन की किसी महिला का था, बच्चों की मां शिरी बिबास का नहीं।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे समझौते का ''क्रूर और दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन'' करार दिया था और बदला लेने का संकल्प जताया, वहीं हमास ने कहा कि यह एक गलती थी। शनिवार को रिहा किये गए छह बंधक, संघर्षविराम के प्रथम चरण के तहत रिहा किये जाने वाले अंतिम जीवित व्यक्ति हैं। इथियोपियाई-इजराइली मेंगिस्टू को 2014 में गाजा में बंदी बनाया गया था। मेंगिस्टू के परिवार ने रिहाई पर गीत गाए।

हम बंदर आदि का चर्चा नहीं करतेज बागेश्वर बाबा पर भड़के पप्पू यादव

प्रयागराज उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है. पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने एक बार फिर महाकुंभ को लेकर बड़ा बयान दिया है. दरअसल, बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री ने दावा किया था कि महाकुंभ में 60 करोड़ लोग अभी तक पहुंचे हैं. अब धीरेन्द्र शास्त्री के इसी दावे पर पप्पू यादव ने उन्हें घेरा है. सांसद ने बाबा पर अटैक करते हुए कहा, हम ऐसे बाबा को बंदर कहते हैं, जो पब्लिक और गरीब के बारे में कुछ भी बोल देता है. इस लिए हम बंदर आदि की चर्चा नहीं करते हैं. पप्पू यादव ने धीरेन्द्र शास्त्री के इस दावे को खारिज कर दिया है. दरअसल, पप्पू यादव बेगूसराय पहुंचे थे जहां उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए नीतीश कुमार पर अपनी बात रखी और उनके प्रति नरम रुख दिखाया. साथ ही बीजेपी पर जमकर हमला बोला. बेगूसराय में मीडिया से बात करते समय बाबा बागेश्वर के 60 करोड़ लोगों के स्नान करने और हिंदुओं के जागने के दावे पर पप्पू यादव गुस्सा हो गए. उन्होंने कहा, हम को तो समझ में नहीं आता है की आप लोग किस बागेश्वर की बात करते हैं. ये आस्था से जुड़ी चीज है. जब बागेश्वर और उसके मां-बाप पैदा नहीं हुए थे, तब से कुंभ चला आ रहा है. इसको कुंभ का क्या पता, ये लोग तो बंदर है. हम ऐसे बाबा को बंदर कहते हैं, जो पब्लिक और गरीब के बारे में कुछ भी बोल देता है. इस लिए हम बंदर आदि की चर्चा नहीं करते हैं.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 131-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569